राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 10 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-172 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तालिबान ने स्कूल छीने ...

तो बेटियों ने लैपटॉप पर बना ली 'यूनिवर्सिटी'

● अफगानी महिलाओं ने तकनीक का सहारा लेकर अपनी पढ़ाई रखी है जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान ने लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबंदी लगा दी, तो कई लड़कियों की दुनिया जैसे थम सी गई। लेकिन कुछ ने हार नहीं मानी और पढ़ाई जारी रखने के लिए तकनीक का सहारा लिया। इन्हीं में से एक हैं 24 साल की सोदाबा जो फार्माकोलॉजी की स्टूडेंट थीं। 2021 में तालिबान के आने के बाद महिलाओं के पार्क, जिम जाने और ज्यादातर नौकरियां करने पर रोक लगा दी गई, लेकिन सबसे बड़ा झटका था पढ़ाई पर लगी पाबंदी। निराश होने के बजाय सोदाबा ने एक रास्ता खोज निकाला। उन्हें अपनी ही भाषा 'दारी' में एक फ्री ऑनलाइन कंप्यूटर कोडिंग कोर्स के बारे में पता चला। यह कोर्स एक अफगान रिफ्यूजी चला रहा था, जो उस वक्त ग्रीस में था। सोदाबा का मानना है कि हालात के आगे झुकने की बजाय सपनों को पूरा करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। कोडिंग सीखने और वेबसाइट बनाने से उनका खोया हुआ आत्मविश्वास फिर लौट आया। इस कोर्स को 'अफगान गीक्स' नाम की एक संस्था चलाती है, जिसे 25 साल के मुर्तजा जाफरी ने शुरू किया है। मुर्तजा खुद कुछ साल पहले तुर्किये से नाव के रास्ते ग्रीस पहुंचे थे।

आईजी पिता ने किया सस्पेंड, वकील बेटी ने दिलाया इंसाफ

केस लड़कर दिलवाई नौकरी, कानूनी जंग में रिश्तों की चर्चा

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली से जुड़ा एक मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां चलती ट्रेन में एक छात्रा से छेड़खानी के आरोप में जीआरपी के कांस्टेबल तौफीक अहमद को तत्कालीन आईजी डॉ. राकेश सिंह ने नौकरी से निकाल दिया था लेकिन बाद में आईजी राकेश सिंह की बेटी और पेशे से वकील अनुरा सिंह ने ही तौफीक का केस लड़ा और उसे वापस नौकरी दिलवा दी। सब लोग यही चर्चा कर रहे हैं कि पिता ने सस्पेंड किया और बेटी ने वापस नौकरी दिलवाई। हालांकि, छेड़खानी का मुकदमा कोर्ट में चलता रहेगा। जीआरपी कॉन्स्टेबल पर आरोप का मामला 13 जनवरी, 2023 का है। पीलीभीत की एक छात्रा ने जीआरपी जंक्शन थाने में तौफीक अहमद के खिलाफ छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने तौफीक पर पॉक्सो एक्ट भी लगाया था। इसके बाद जीआरपी ने तौफीक को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। विभागीय जांच में भी तौफीक को दोषी पाया गया। तत्कालीन आईजी ने तौफीक को नौकरी से निकाल दिया था। तौफीक ने नौकरी से निकाले जाने के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। डॉ। राकेश सिंह की बेटी और वकील अनुरा सिंह ने कोर्ट में तौफीक की तरफ से केस लड़ा। उन्होंने कोर्ट से तौफीक को नौकरी से निकालने का आदेश रद्द करने की मांग की। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद तौफीक को नौकरी से निकालने की कार्रवाई को गलत बताया।

200 हल्के हेलीकॉप्टरों की जल्द होगी खरीद

चेतक और चीता की खेप बदली जाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने पुराने चेतक और चीता हेलीकॉप्टरों को बदलने का फैसला लिया है। इसके लिए लगभग 200 आधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर खरीदने की तैयारी है, जिन्हें रिकॉनिसन्स एंड सर्विलांस हेलीकॉप्टर कहा जाता है। ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और वायुसेना दोनों के लिए होंगे, जिसमें सेना को 120 और वायुसेना को 80 हेलीकॉप्टर सौंपे जाएंगे। मंत्रालय ने इसके लिए रिक्वेस्ट फॉर इन्फॉर्मेशन जारी किया है, ताकि तकनीकी जरूरतों को अंतिम रूप दिया जाए, खरीद का तरीका तय हो और भारतीय कंपनियों सहित संभावित आपूर्तिकर्ताओं की पहचान की जाए, जो विदेशी निर्माताओं के साथ मिलकर ये हेलीकॉप्टर बना सकें। रिपोर्ट के मुताबिक, ये हेलीकॉप्टर दिन-रात कई तरह के काम करेंगे। जैसे कि टोही और निगरानी, छोटी सैन्य टुकड़ियों या विशेष मिशन के लिए होंगे।

उत्तराखंड के हर्षिल में बादल फटने से बनी झील

धराली में मलबे के नीचे रडार से लोगों की तलाश शुरू

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में 5 अगस्त को बादल फटने के बाद हर्षिल में आई बाढ़ से यहां एक झील बन गई है। वहीं धराली गांव में मलबे में दबे लोगों को खोजने का काम शुरू हो गया है। इसके लिए सेना एडवांस पेनिट्रेटिंग रडार का इस्तेमाल कर रही है। इससे खुदाई किए बगैर ही जमीन में दबे लोगों का पता लगाया जा सकता है। पेनिट्रेटिंग रडार जमीन के नीचे एक हाई फ्रीक्वेंसी रेडियो तरंग भेजता है, जहां यह मिटटी, पत्थर, धातु और हड्डियों को अलग-अलग रंगों के जरिए बताता है। इसके जरिए जमीन के नीचे 20-30 फीट तक फंसे लोगों या शवों की पहचान की जा सकती है। उत्तरकाशी जिले के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से 34 सेकेंड में धराली गांव जमींदोज हो गया था।

धर्मस्थल का राज गहराया, 13वीं जगह की जांच टली

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के प्रसिद्ध धर्मस्थल में कथित गुप्त दफन मामले की जांच में एक नया मोड़ आया है। विशेष जांच दल ने गुरुवार को व्हिसलब्लोअर यानी मुखबिर द्वारा बताए गए 13वें स्थल पर खुदाई करने की योजना बनाई थी लेकिन इसे टाल दिया गया। इसी जगह पर सबसे अधिक शवों को गुप्त रूप से दफनाए जाने का दावा किया गया है। यह स्थल नेत्रावती नदी के पास स्थित स्नान घाट के बगल में है। उम्मीद थी कि जांच टीम गुरुवार को इस जगह की खुदाई करेगी, लेकिन बुधवार को यूट्यूबर्स और कुछ स्थानीय निवासियों के बीच हुए टकराव के बाद तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए जांच टाल दी गई। पिछले मंगलवार से अब तक टीम ने आठ दिनों की जांच में दो कंकालों के अवशेष बरामद किए हैं। अब यह अंतिम 13वां स्थान बचा है।

राखियों से भरी कलाई, पीएम की बच्चों संग मस्ती

देश भर में धूमधाम से मना रक्षाबंधन का पर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में शनिवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल को राखी बांधी गई। अमर पुजारी के परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार की गई खास राखी उन्हें अर्पित की गई है। महाकाल को जो राखी बांधी गई है उसमें मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग हुआ है। राखी पर भगवान गणेश जी विराजित हैं। महाकाल को जो राखी बांधी गई है उसमें मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग हुआ है। राखी पर भगवान गणेश जी विराजित हैं। शनिवार को सबसे पहले तड़के 3 बजे भस्म आरती के लिए पट खोले गए। इसके बाद

● महाकाल और बाबा विश्वनाथ को बांधी गई राखी

पंचामृत से अभिषेक किया गया। भस्म आरती के दौरान ही उन्हें विशेष श्रृंगार के साथ राखी अर्पित की गई। भगवान महाकाल को राखी बांधने बाद भस्मारती के दौरान ही सवा लाख लड्डुओं का महाभोग लगाया गया।

प्रधानमंत्री आवास में कई स्कूली बच्चियों ने पीएम मोदी की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान पीएम मोदी भी बच्चियों के साथ खेलते दिखाई दिए। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं भी दी हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर पीएम आवास में नन्हीं परियों की भीड़ देखी जा सकती है। इस शुभ अवसर पर पीएम मोदी ने न सिर्फ बच्चियों से राखी बंधवाई बल्कि उनके साथ खूब मस्ती भी की। बच्चों के चेहरे की हंसी बता रही है कि पीएम मोदी की कंपनी उन्हें भी काफी पसंद आई। बता दें कि पीएम मोदी ने आज सुबह ही रक्षाबंधन की बधाई दी थी।

● दिल्ली के जैतपुर इलाके में दर्दनाक हादसा

मंदिर की दीवार गिरने से आठ लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के दक्षिण-पूर्वी इलाके जैतपुर के हरि नगर दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक पुराने मंदिर की दीवार अचानक भरभराकर ढह गई। दीवार का हिस्सा गिरने से 8 लोग नीचे दब गए थे, जिनमें से 8 लोगों की मौत हो गई है। इसमें एक ही परिवार के चार लोग शामिल हैं।

इस हादसे के बाद कुल 8 लोगों को बाहर निकाला गया था, जिनमें से 8 की मौत हो गई है। घटनास्थल पर अब भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों में लोग दहशत में आ गए। दमकल कर्मी मलबे में फंसे लोगों को निकालने और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन बचाव कार्य जोरों पर है। हरि नगर में दीवार गिरने की घटना पर एडिशनल डीसीपी साउथ ईस्ट ऐश्वर्या शर्मा ने कहा,यहां एक पुराना मंदिर है और उसके बगल में पुरानी झुग्गियां हैं जहां कबाड़ी रहते हैं। रात भर हुई भारी बारिश के कारण दीवार गिर गई। 8 लोग फंस गए थे, जिन्हें बचाकर अस्पताल ले जाया गया। उनका इलाज चल रहा है।

हमें नहीं पता कि कितने लोग मरे हैं, लेकिन हमारे अनुसार, 3-4 लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जो शायद बच न पाएं। हमने अब इन झुग्गियों को खाली करा दिया है ताकि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इमारत पुरानी थी और संभवतः रखरखाव की कमी या निर्माण में खामियों के कारण यह हादसा हुआ।

पुलिस को इतना मारेंगे, ममता के आंचल में छिपना पड़ेगा

● लाठीचार्ज पर भड़के भाजपा नेता, टीएमसी सरकार और सीएम को जमकर सुनाया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पुलिस ने भाजपा के नाबन्ना अभियान रैली पर लाठी चार्ज कर दिया। इससे भाजपा नेता भड़क उठे हैं। भाजपा नेता अशोक डिंडा ने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं है जब पुलिस की भी पिटाई होगी। इन लोगों की बहुत धुलाई होने वाली है। उन्होंने कहा कि हमें बस एक बार भाजपा से इसके लिए आदेश मिल जाए। हम पुलिसवालों को इतना मारेंगे कि उन्हें ममता बनर्जी के आंचल में जाकर छिपना पड़ेगा। गौरतलब है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बलात्कार-हत्याकांड के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'नबन्ना अभियान' रैली का आयोजन किया गया जहां पिटाई की गई है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति

स्पष्ट निर्देश और कोई पाबंदी नहीं

● वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने बताया क्यों सफल रहा ऑपरेशन सिंदूर

कहा-हमने पाकिस्तान के 5 फाइटर जेट सहित 6 विमान मार गिराए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कई अहम खुलासे किए हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इसलिए सफल रहा क्योंकि सशस्त्र बलों पर कोई पाबंदी नहीं थी। राजनीतिक इच्छाशक्ति, स्पष्ट निर्देश और किसी भी तरह का प्रतिबंध नहीं होने की वजह से ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा। एयर चीफ मार्शल ने बताया कि हमने खुद तय किया कि हमें कितना आगे बढ़ना है। तीनों सेनाओं के बीच अच्छा तालमेल था। एयरफोर्स चीफ ने ये भी बताया कि एस-400 डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के 5 जेट को मार गिराया था। वायुसेना प्रमुख ने बताया कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की वजह से ही ऑपरेशन सिंदूर सफल हो पाया। उन्होंने कहा कि हमें साफ निर्देश मिले थे और ऐक्शन को लेकर कोई रोक-टोक नहीं थी। हमने खुद तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें पूरी आजादी थी कि कैसे योजना बनाएं और उसे लागू करें। हमने हर अटैक सोच-समझकर किए थे। इस ऑपरेशन के दौरान तीनों सेनाओं के बीच गजब का तालमेल था। भारतीय वायुसेना प्रमुख ने इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के फैसले का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हम लगातार युद्ध में नहीं रह सकते।

ऑपरेशन अखल में पंजाब के दो जवान शहीद

1 की 4 महीने पहले हुई शादी, दूसरे का रक्षाबंधन पर बहनें कर रही थीं इंतजार

खन्ना (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम जिले के अखल जंगल में आतंकियों से चल रही मुठभेड़ में पंजाब के दो जवान शहीद हो गए। फतेहगढ़ साहिब लोकसभा क्षेत्र के गांव बदीनपुर के 26 वर्षीय सिपाही हरमिंदर सिंह और खन्ना के गांव मानूपुर के 28 वर्षीय लांस नायक प्रीतपाल सिंह ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। रक्षाबंधन से ठीक पहले आई इस खबर ने दोनों परिवारों में मातम का माहौल है। प्रीतपाल सिंह की शादी को अभी सिर्फ 4 महीने ही हुए थे। परिवार राखी पर घर में खुशियां मनाने की उम्मीद कर रहा था। वहीं, हरमिंदर सिंह की मां और बहनें उनकी सुरक्षित वापसी का इंतजार कर रही थीं, लेकिन उनके शहीद होने की खबर पहुंची। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में ऑपरेशन अखल को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ अंजाम दे रहे हैं। यह 1 अगस्त से चल रहा है। जंगल में अभी और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है। सेना के अफसरों का कहना है कि आतंकियों को पूरी तरह खत्म किए बिना यह ऑपरेशन खत्म नहीं होगा।

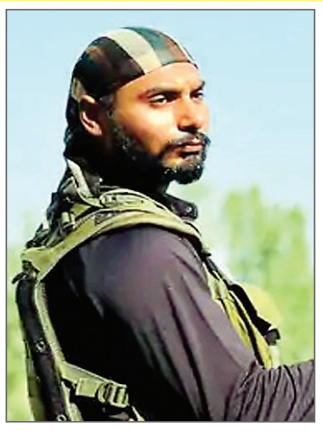

घने जंगल और दुर्गम रास्तों में चल रहा सेना का अभियान

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस दुर्गम इलाके में आतंकी छिपे हुए हैं, वहां घना जंगल, प्राकृतिक गुफाएं, पहाड़, चरागाहें और खानाबदोश समुदाय के डेरे भी हैं। रास्ता बेहद दुर्गम है। इसलिए यहां सेना को ऑपरेशन जारी रखने में कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा बल वन क्षेत्र में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। पैरा कमांडो भी छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराने में सुरक्षा बलों की मदद कर रहे हैं। ऑपरेशन अखल का शनिवार को 9वां दिन है। 2 अगस्त की सुबह मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो ए-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शहरीकरण व जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझें

यह स्थिति केवल बिगड़ती ही जाएगी क्योंकि भारत में तीव्र गति से शहरीकरण हो रहा है। वर्तमान अनुमान के अनुसार, 2050 तक लगभग एक अरब भारतीय शहरों में रह रहे होंगे। लेकिन अगर भारतीय शहर अपनी वर्तमान विकास दिशा पर चलते रहे, तो वे अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे, जैसा कि विश्व बैंक की हाल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत के शहर अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और बड़ी संपत्ति के केंद्र होने के कारण जलवायु प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। शहरों में ग्रामीण इलाकों की तुलना में जलवायु प्रभाव और आपदाएं अधिक होती हैं क्योंकि वे अत्यधिक आपस में जुड़ी हुई प्रणालियों पर निर्भर हैं।

भारतीय शहर मानसून में जलभराव बढ़ने की जिस चुनौती को झेल रहे हैं, वह अतार्किक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे की अनदेखी, नगर निगम के नियमों के उल्लंघन, हरियाली और खुले क्षेत्रों के कटाव, बड़े पैमाने पर कंक्रीट का उपयोग आदि का संयुक्त परिणाम है। इसके ऊपर जलवायु परिवर्तन भी है, जो स्वयं मानव निर्मित समस्या है।

देश में चल रहे मानसून मौसम में पूरे देश में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जैसा कि भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान दिया था। कई राज्यों में भारी बारिश हुई है, जिसमें पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के कारण आपदाएं जैसे भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं।

हिमालयी क्षेत्र—हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में लगातार, व्यापक और तीव्र बारिश हुई है। इस मौसम की सबसे भयंकर आपदाओं में से एक उत्तरकाशी जिले के धराली में आई, जहां कथित रूप से बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने जान-माल का नुकसान किया। यह क्षेत्र की पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील स्थिति में अनियंत्रित विकास के खतरे की गंभीर याद दिलाता है।

मैदानों में भी मानसून का कहर जारी है, जहां बड़े शहरों में सड़कों पर जलभराव, जान-माल के नुकसान और पुरानी संरचनाओं का ढह जाना देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर जलजमाव के कारण भारी ट्रैफिक जाम, सड़कों और राजमार्गों पर कार और ट्रकों का सिंक होल में गिरना, स्कूलों और कार्यालयों में फंसे लोग तथा बिजली की चपेट में आने जैसी दुखद घटनाओं की तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

कुछ नए बने हवाई अड्डों की इमारतें लगातार बारिश को सहन नहीं कर पाईं। प्रभावित शहर जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र और आउटसोर्सिंग हब हैं।

बारिश से होने वाले प्रभावों को केवल 'प्रकृति का क्रोध' मान लेना गलत होगा। जो कुछ भारतीय शहर मानसून में जलभराव बढ़ने की जिस चुनौती को झेल रहे हैं, वह अतार्किक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे की अनदेखी, नगर निगम के नियमों के उल्लंघन, हरियाली और खुले क्षेत्रों के कटाव, बड़े पैमाने पर कंक्रीट का उपयोग आदि का संयुक्त परिणाम है। इसके ऊपर जलवायु परिवर्तन भी है, जो स्वयं मानव निर्मित समस्या है। दशकों से वैज्ञानिक अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि की चेतावनी दे रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का परिणाम है।

एक चरम मौसम घटना तब होती है जब किसी स्थान पर सामान्य मात्रा से कहीं अधिक वर्षा या हिमपात होता है, जैसा कि हमारे कई शहरों में हो रहा है। किसी शहर या क्षेत्र की औसत वर्षा सामान्य सीमा में रह सकती है, लेकिन कुछ दिनों या स्थानों पर बहुत कम समय में भारी वर्षा होती है, जिससे जलजमाव और स्थानीय बाढ़ होती है।

यह स्थिति केवल बिगड़ती ही जाएगी क्योंकि भारत में तीव्र गति से शहरीकरण हो रहा है। वर्तमान अनुमान के अनुसार, 2050 तक लगभग एक अरब भारतीय शहरों में रह रहे होंगे। लेकिन अगर भारतीय शहर अपनी वर्तमान विकास दिशा पर चलते रहे, तो वे अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे, जैसा कि विश्व बैंक की हाल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत के शहर अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और बड़ी संपत्ति के केंद्र होने के कारण जलवायु प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। शहरों में ग्रामीण इलाकों की तुलना में जलवायु प्रभाव और आपदाएं अधिक होती हैं क्योंकि वे अत्यधिक आपस में जुड़ी हुई प्रणालियों पर निर्भर हैं। जब मुख्य बुनियादी ढांचा जैसे राजमार्ग या बिजली ग्रिड टूटते हैं, तो यह एक श्रृंखला प्रतिक्रिया को जन्म देता है जिससे बुनियादी ढांचे की विफलता होती है और शहर ठप हो जाता है। बाढ़ सड़कें बंद कर व यातायात बाधित कर सकती है, बिजली लाइनों को प्रभावित और आर्थिक नुकसान कर सकती है, जैसा कि वर्तमान में देखा जा रहा है।

हर साल मानसून के कारण हो रही इस अराजकता को देखते हुए स्पष्ट है कि हमारे शहर आगे के शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की दोहरी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। शहरों के पास इन प्रभावों को प्रबंधित करने की सीमित क्षमता है। उनका नियोजन और प्रबंधन प्रणाली तेजी से हो रहे शहरीकरण, जलवायु प्रभावों और विकास तथा सेवाओं की मांग के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही है।

मौजूदा प्रणाली पुरानी हो चुकी है—कई मामलों में, ये ब्रिटिश राज काल से विरासत में मिली हैं। उदाहरण के लिए, हैदराबाद की नालियां और वर्षाजल निकासी प्रणाली सदी पहले सर एम विश्वेश्वरैया द्वारा लगभग पांच लाख की आबादी के लिए डिज़ाइन की गई थी। उस समय यह प्रणाली आधुनिक मानी जाती थी और भविष्य के विकास तथा सौंदर्यशास्त्र व शहरी नियोजन जैसी चिंताओं को ध्यान में रखती थी। हैदराबाद को झीलों और बागों का शहर माना जाता था, जहां प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली अच्छी तरह से जुड़ी हुई थी। यह सब तेजी से बढ़ते भौतिक संरचना और जनसंख्या की उच्च घनत्व के कारण नष्ट हो गया। परिणामस्वरूप बाढ़ आती है। यह कहानी लगभग हर बड़े भारतीय शहर की है। कई शहर तटीय क्षेत्रों या बड़े और छोटे नदियों के बाढ़ से बने मैदानों के किनारे स्थित हैं। शहरीकरण से सतह जल अवशोषण कम हो जाता है, जिससे पहले कम जोखिम वाले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। शहर लगातार बाढ़ मैदानों पर कब्जा कर रहे हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1985 से 2015 के बीच, बाढ़-रहित क्षेत्रों में बसाव क्षेत्र 82 प्रतिशत और उच्च बाढ़ जोखिम वाले क्षेत्रों में 102 प्रतिशत बढ़ा है। जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण के संयुक्त प्रभाव से वर्षाजल संबंधी या सतही जल बाढ़ का खतरा कई गुना बढ़ने की संभावना है।

निःसंदेह, इस समस्या का समाधान शहरों को जलवायु-लचीला बनाकर तैयार करना है। इसके लिए हमें शहर-विशिष्ट जलवायु कार्ययोजनाएं बनानी होंगी। वर्तमान में ये प्रयास न के बराबर हैं। सभी राज्यों के पास सामान्य कार्ययोजनाएं हैं, जिनका अधिकांशतः क्रियान्वयन कमजोर है या वे केवल कागजों तक सीमित हैं। शहरी क्षेत्रों की चुनौतियां विविध हैं, जिनके लिए समग्र दृष्टिकोण आवश्यक है। स्थानीय जोखिम इतिहास के आधार पर शहरी बाढ़ से निपटने के लिए विशिष्ट रणनीतियां बनानी होंगी। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भी इसी तरह की कार्ययोजनाएं आवश्यक हैं।

शहरों को जलग्रहण क्षेत्र आधारित बाढ़ सुरक्षा योजनाएं बनानी चाहिए ताकि बाढ़, मैदानों के विकास और वर्षाजल प्रबंधन को नियंत्रित किया जा सके। शहरी प्राधिकरणों को नालियों, बाढ़ से बचाव हेतु बांधों और बाढ़ जल को अवशोषित करने वाले खुले स्थानों के संरक्षण या निर्माण, तथा सतत शहरी जल निकासी प्रणाली में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। चेन्नई ने जोखिम आकलन के आधार पर शहर-विशिष्ट जलवायु कार्ययोजना विकसित करने की शुरुआत की है। कोलकाता बाढ़ पूर्वानुमान और चेतावनी प्रणाली पर काम कर रहा है।

शहरों के लिए जलवायु कार्ययोजनाएं बिना संबंधित शासन सुधारों के सफल नहीं हो सकतीं। वर्तमान में बाढ़ सुरक्षा, शहरी नियोजन, नालियों आदि से संबंधित कई एजेंसियां हैं, जो अक्सर विरोधाभासी कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, सरकारी एजेंसियों को जलवायु कार्ययोजनाओं को बनाने और लागू करने के लिए वैज्ञानिकों, नागरिक समाज और व्यवसायों के साथ काम करना होगा। शहरी बाढ़ या पहाड़ों में निरंतर आपदाओं का कोई आसान समाधान नहीं है।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के जानकार हैं।

संपादकीय

आपदा की वजह

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित धराली में आई आपदा ने देश-दुनिया को गहरे तक आहत किया है। मलबे और बाढ़ के पानी के सैलाब ने जिस तरह घरों, होटलों व बगीचों तथा खेत-खलिहानों को तबाह किया, उसने आम लोगों को भयभीत किया। पहाड़ की भौगोलिक जटिलताओं व बचाव के संसाधन पहुंचाने में देरी से राहत कार्य बाधित हुआ है। निस्संदेह, हादसे से जुड़ा पहलू यह भी है कि तंत्र की अनदेखी व खीरगंगा के विस्तार क्षेत्र की आशंकाओं को नजरअंदाज करके जो निर्माण किया गया, वह सैलाब की जद में आया। सवाल यह है कि वे कौन से कारण थे कि बेहद तीव्र वेग से आये सैलाब ने लोगों को भागने तक का मौका नहीं दिया। हालांकि, मरने वालों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आयी है, लेकिन सैलाब की भयावहता को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि जनधन की बड़ी हानि हुई होगी। असली सवाल यह है कि ये आपदा कैसे आयी। आजकल ऐसे हादसों की साधारण व्याख्या होती है कि हादसा बादल फटने से हुआ। लेकिन धराली में आपदा की वजह बादल फटना मानने को वैज्ञानिक तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिक इस वजह से बादल फटने के तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार 4-5 अगस्त को उस क्षेत्र में महज आठ से दस मिमी बारिश ही हुई थी। वैज्ञानिक मानक के अनुसार बादल फटने की घटना तब होती है जब उस इलाके में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई हो। दरअसल, धराली गांव के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। दोनों तरफ ऊंचे व तीव्र ढलान वाले पहाड़ हैं। जिस खीरगंगा में फ्लैश फ्लड आया है, वो उन्हीं घने जंगलों से होकर गुजरती है। वैज्ञानिक एक तर्क पर विचार कर रहे हैं कि कहीं घने जंगलों वाले इलाके में भूस्खलन की वजह से पानी का प्रवाह रुक गया होगा, जिसके बाद अस्थाई झील टूटने से आपदा आई होगी। दरअसल, इस जल प्रलय की जद में आने वाला क्षेत्र फ्लड प्लेन इलाके में बसा है। उसके ऊपर के इलाके में बर्फीले पर्वत बताए जाते हैं। यह हकीकत है कि धराली और उसके आस-पास बेहद संकरी घाटी और ऊंचे पहाड़ हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि बादल फटने के बाद आने वाला जल प्रवाह इतना तेज नहीं होता। पहले इसकी गति धीमी होती है, कालांतर में गति तेज हो जाती है। इसी वजह से वैज्ञानिक तूफानी गति से पानी-मलबा आने की वजह अस्थायी झील का टूटना बता रहे हैं। भूस्खलन या ग्लेशियर टूटने से झील का पानी सैलाब में बदल गया। इस आशंका को मानने की एक वजह यह भी है कि आपदा वाले दिन जो पानी नीचे आया वह काले रंग का था। साथ मलबा स्लेटी रंग का था। तर्क है कि ऐसा काला पानी व स्लेटी रंग का मलबा पहले से जमा हुए स्थान के टूटने के बाद ही आता है। ऐसी ही स्थिति वर्ष 2021 में चमोली जनपद के ऋषिगंगा हादसे के दौरान एक अस्थायी झील टूटने के बाद जमा मलबे के बहकर आने के वक्त देखी गई थी। दरअसल, वैज्ञानिक पहले भी आशंका जताते रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते बढ़ते तापमान की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पिघली बर्फ के पानी से बनी झीलें कालांतर भूस्खलन या बादल फटने के बाद टूट जाती हैं और सैलाब तेज ढलान पर उतरकर तबाही लाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 की केदार घाटी में आई आपदा भी चोराबारी झील के टूटने से निकले सैलाब की वजह से हुई थी। दूसरी विडंबना यह भी है कि ग्लोबल वार्मिंग व बढ़ते तापमान की वजह से ऊंचे पहाड़ों में बारिश की प्रकृति में कुछ वर्षों से बदलाव आया है।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

(लेखक - ललित गग)

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, ''संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।'' चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है।

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके हास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल क्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता।

पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर क्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।किंतु हमें इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि विज्ञान में तारक और मारक दोनों शक्तियां होती हैं।

कोई आदमी उसकी तारक शक्ति को भूलकर मारक शक्ति को ही काम में लेने लगे, इसमें विज्ञान का क्या दोष।उसके पास मानवता या मानव जाति को बचाने की जो विलक्षण शक्ति है, उसे भुला दिया गया और संहार की भयानक शक्ति को उजागर किया गया।इस स्थिति को बदलने के लिए सम्यक दृष्टिकोण के निर्माण की आवश्यकता है।

विचार मंथन

शांति का नोबल पुरस्कार ट्रंप को नहीं तो फिर किसे?

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

वर्तमान में दुनियां के अधिकांश देशों में जिस तरह की उथल-पुथल देखने को मिल रही है, उसे लेकर आम इंसान के जेहन में अनेक सवाल उठ खड़े हुए हैं। ऐसे ही सवालों में एक सवाल यह भी है कि आखिरकार दुनियां में जंग के हालात क्योंकर बने हुए हैं? विश्व को जंग में झोंकने का काम आखिर कौन कर रहा है? वो कौन है जो दुनियां को शांति से रहने नहीं देना चाहता है? वाकई ये सवाल गंभीर हैं और इनके उत्तर भी लगभग सभी जानते हैं, लेकिन बतौर सबूत पेश करने को किसी के पास कुछ नहीं होता है, क्योंकि जहां झूठ चलता हो वहां सच को कौन पूछता है। बहरहाल यह देखने वाली बात है, कि दूर देशों की बात छोड़ दीजिए यहां तो पड़ोसी मुल्कों में जंग छिड़ी हुई है। लोग मारे जा रहे हैं लेकिन हथियारों की कमी नहीं होने दी जा रही है। आखिर ऐसा क्यों? हथियार सप्लाई को लेकर भी विकसित देशों में जंग जैसे हालात हैं। इनमें अमेरिका की चौधराहट साफ देखने को मिलती है। किसी को क्या दिया जाए और किससे क्या लिया जाए, यह अमेरिका की आधारभूत नीति में शामिल है। यही वजह है कि युद्ध होने पर अमेरिका यह नहीं देखता कि दोस्त कौन और दुश्मन कौन, वह हथियारों का व्यापारी बन जंग को बाहर से हवा देता नजर आ जाता है। यही कारण है कि रुस और यूक्रेन समेत दुनियां के अनेक देशों के बीच जो जंग चल रही है उसमें कहीं न कहीं अमेरिका संलिप्त नजर आ जाता है। वजह भी साफ है, कि जिस तरह से अमेरिका यूक्रेन की मदद करने के बदले उससे उसके कीमती भंडार चाहता है, तो वहीं गाजा में ट्रंप सिटी बसाने की बात करके यह जतला देता है कि इजराइल उसके इशारे पर जंग में है। वह जब चाहेगा हमास और इजराइल के बीच भी समझौता कराकर शांति का ऐलान कर देगा। सीरिया में भी कमोवेश यही हालात नजर आए। भारत द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को भारत-पाकिस्तान जंग बताने और फिर सीजफायर का दावा करने वाले ट्रंप का मकसद भी कुछ ऐसा ही रहा है। फिलहाल यहां बात हम आर्मेनिया और अजरबैजान शांति समझौते की कर रहे हैं, जिसका पूरा श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप को दिया जा चुका है। यहां बताते चलें कि वर्षों से दक्षिणी कॉकेशस को ईरानी प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। इसके अलावा यहां पर रूस की भी गतिविधियां बराबर चलती रही हैं। पिछले कई दशकों से रुस ने शांति सैनिकों के साथ राजनीतिक दबाव बनाने का काम बखूबी किया है। जबकि ईरान, इस क्षेत्र को अपनी ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मानता चला आया है। अब जबकि व्हाईट हाउस में आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच चले आ रहे करीब 35 सालों के संघर्ष का विराम हो गया तो इन सब बातों का महत्व और भी बढ़ जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनियन ने शांति समझौते पर दस्तखत किए हैं। इतना ही नहीं इन नेताद्वय ने इसी दौरान ट्रंप की तारीफों के पुल भी बांधे और कहा कि शांति करवाने वाले ट्रंप के अलावा आखिर नोबल पुरस्कार का कौन हकदार हो सकता है। यह अलग बात है कि इस समझौते के साथ ही अमेरिका को दक्षिण काकेशस के केंद्र में सीधे दखल देने के साथ ही वहां पैर जमाने के लिए भी एंट्री मिल गई है।

वैसे यह क्षेत्र अभी तक रूस, ईरान और चीन के लिए एक रणनीतिक क्षेत्र रहा है। इस प्रकार ट्रंप ने इस शांति समझौते रुपी वार से चीन, रूस और ईरान के सालों से चली आ रही रणनीति को मात दे दिया है। इस तरह कहीं न कहीं अमेरिका पहले से ही इस मामले को उलझाए हुए था, जिसकी पुष्टि अब जाकर हुई है। मतलब साफ है कि शांति से पहले आग लगाने का काम किया और खुद को पुरस्कृत करवाने के लिए अब यह खेल खेला गया। यदि ऐसा नहीं है तो फिर ट्रंप भारत जैसे शांतिप्रिय देश पर टैरिफ बम से बार क्योंकर कर रहा है? क्या कारण है कि जिस पर आतंकवादियों को पालने-पोसने के न सिर्फ आरोप लगते रहे, बल्कि उसकी जमीन पर अनेक तयशुदा आतंकियों को मारा गया अब वो उनका हिमायती बना फिर रहा है? यह देखने और समझने वाली बात है, क्योंकि शांति पुरस्कार वाकई शांति के लिए काम करने वाले को मिलना चाहिए न कि दिखावा करने वाले को। यदि इस पर ट्रंप के कार्य और नीतियां खरी उतरती हों तो जरुर इस दिशा पर विचार किया जाना चाहिए, वर्ना जो दशकों से आतंकवाद का दंश सहते हुए भी शांति के साथ विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वही शांति नोबल पुरस्कार का असली हकदार है।

सोम ग्रुप ऑफ कंपनी द्वारा हेल्थ कैम्प ने 40 से अधिक गांवों के लोगों को किया लाभान्वित

रायसेन। समाज कल्याण एवं ग्रामीण स्वास्थ्यसेवाओं के लिए अपनी सतत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए सोम ग्रुप ऑफ कंपनीज़ ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित सेहतगंज गांव में नि :शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया। कंपनी की इस पहल ने एक ही दिन में 400 से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करते हुए ज़रूरतमंद समुदायों को मेडिकल सपोर्ट प्रदान किया। 40 से अधिक गांवों के मरीज़ नि :शुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने के लिए कैम्प में पहुंचे, जो क्षेत्र में सुलभ स्वास्थ्यसेवाओं की तुरंत आवश्यकता एवं दूरगामी प्रभावों को दर्शाता है। सोम हाई स्कूल में आयोजित इस कैंप का संचालन आशा मोहन फाउन्डेशन हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य गांववासियों को सुलभ, नि :शुल्क मेडिकल कन्सलटेशन एवं ज़रूरी उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराना था। मेडिकल टीम ने स्वास्थ्य जांच, डायग्नॉस्टिक, दवा वितरण एवं ऑन-साईट कन्सलटेशन सहित सभी ज़रूरी सुविधाएं प्रदान की और सुनिश्चित किया कि सभी मरीज़ों को समय पर गुणवत्तापूर्ण देखभाल मिले।भोपाल से जाने-माने डॉक्टरों की टीम ने लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इनमें डॉ टीना गुप्ता

(गायनेकोलोजिस्ट एवं ऑब्स्टेट्रिशियन), डॉ वसंत त्रिवेदी (आर्थोपेडिक सर्जन), डॉ संजीव गुप्ता (सीनियर कन्सलटेन्ट- डिपार्टमेन्ट ऑफ सीटीवीएस), डॉ पीयूष गोयंका (इंटरवेंशनल कार्डियोलोजिस्ट), डॉ नितेश उपाध्याय (पीडिएट्रिशियन, डीएनबी- पीडिएट्रिक्स) और डॉ निशांत कुमार शुक्ला (न्युरोवैस्कुलर एण्ड न्युरोएंडोवैस्कुलर सर्जन) शामिल थे। हर विशेषज्ञ ने विभिन्न आयुवर्गों एवं विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में लोगों की ज़रूरतों को पूरा किया। कैम्प को स्थानीय लोगों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली। पुरूषों, महिलाओं, बुज़ुर्गों ने बढ़-चढ़कर कैम्प में हिस्सा लिया, जिन्हें अक्सर नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं भी नहीं मिल पातीं। चिकित्सा सुविधाओं के अलावा कैम्प ने लोगों को जल्दी निदान, निवारक चिकित्सा के बारे में जागरुक भी बनाया, ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की जागरुकता बेहद महत्वपूर्ण होती है।

वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने की नई ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी एक नयी इंडियन ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ 'एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी' लॉन्च करने जा रहा है, जो रात 9 बजे डिस्कवरी चैनल और डिस्कवरी+ पर विशेष रूप से प्रसारित होगी। यह शो दिलचस्प कहानी कहने के अंदाज़ को समृद्ध ऐतिहासिक किस्सों के साथ जोड़ता है और भारत के मशहूर और गुमनाम राजाओं-रानियों की बहादुरी और हिम्मत को फिर से ज़िंदा करता है। इसमें गोरिल्ला युद्ध रणनीति बनाने वाले योद्धाओं, नौसेना के जांबाज़ सिपाहियों और साम्राज्य बनाने वालों की कहानियाँ शामिल हैं। यह आठ एपिसोड की सीरीज़ दर्शकों को समय और ज्योग्राफिकल बाउंडरीज़ के पार ले जाती है। गढ़वाल (उत्तराखंड) और मालवा (पश्चिम मध्य प्रदेश) से लेकर राजपुताना (राजस्थान), दक्कन (महाराष्ट्र और तेलंगाना), कर्नाटक और कश्मीर तक — हर कहानी एक ऐसे शासक की झलक दिखाती है, जिसकी बहादुरी ने इतिहास की दिशा बदल दी। भारत और साउथ एशियन डायस्पोरा के दर्शकों तक इसे पहुँचाने के लिए यह सीरीज़ सात भाषाओं — अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बांग्ला — में उपलब्ध होगी।

तनाएरा ने प्रमाणिकता और विरासत को बढ़ावा देने के लिए उठाया एक और कदम

इस राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस पर अपने प्रोडक्ट्स में लाई जीआई- टैगिंग

ब्राण्ड कारीगरों को सशक्त बनाते हुए भारत की समृद्ध टेक्सटाईल धरोहर को संरक्षित बनाने के प्रयास जारी रखे हुए है

मुंबई एजेंसी। देश राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस के आयोजन की तैयारियां में जुटा है, इस बीच टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने अपने प्रोडक्ट्स पर जीआई टैगिंग की शुरूआत कर देश की बेजोड़ टेक्सटाईल धरोहर को सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता को और मजबूत बना लिया है। इस पहल के साथ तनाएरा देश के कुछ पहले साड़ी ब्राण्ड्स में शामिल हो गई है, जो बनारसी, चंदेरी और माहेश्वरी जैसे मुख्य क्लस्टर्स में जीआई-सर्टिफाईड हैण्डलूम साड़ियां लेकर आती है। यह पहल लूम पर काम करने वाले कारीगरों के लिए ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो कई पीढ़ियों से अपनी कारीगरी को नया आयाम देते आए हैं, और फैब्रिक के हर पीस में परम्परा बुनते हैं। यह कदम प्रमाणिकता एवं नैतिक कारीगरी के लिए तनाएरा के समर्पण की पुष्टि करता है, जिसका उद्देश्य उन उपभोक्ताओं एवं समुदायों के साथ गहरे रिश्ते बनाना है जो भारत की समृद्ध बुनाई

की परम्परा को जीवंत बनाए रखे हुए हैं। तनाएरा शुरूआत से ही प्रमाणिकता को महत्व देती आई है। सिल्क के लिए हैण्डलूम मार्क से लेकर ज़री सर्टिफिकेशन तक इनका हर प्रोडक्ट इसी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। अब जीआई टेगिंग की पेशकश ब्राण्ड के प्रति उपभोक्ताओं के भरोसे को और मजबूत बनाएगी, ब्राण्ड का उद्देश्य देश के सर्वश्रेष्ठ कारीगरी को एक ही छत के नीचे लाना है।

इस पहल के तहत तनाएरा जीआई सर्टिफिकेशन को सुगम बनाने के लिए वेंडर पार्टनर्स एवं कारीगर समूहों के साथ मिलकर काम करेगी, उन्हें दस्तावेजों के लिए ज़रूरी सहयोग, कानूनी मार्गदर्शन एवं हर ज़रूरी सहायता प्रदान करेगी। आज परिधानों में डिज़ाइन की बात करें तो हाथ की कारीगरी का महत्व कम हो रहा है, इसके बजाए मशीनां के काम पर ज़ोर बढ़ा है, ऐसे में तनाएरा का यह प्रयास हाथ की कारीगरी की खूबसूरती, भव्यता एवं परम्परा को बनाए रखने, इसे संरक्षित रखने के ब्राण्ड के इरादे को दर्शाता है। तनाएरा हैण्डलूम रीटेल के लिए सर्टिफाईड एवं पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाती है। हैण्डलूम मार्क, सिल्क मार्क, ज़री सर्टिफिकेशन, खादी सर्टिफिकेट और पश्मिना सर्टिफिकेशन जैसे प्रयास ब्राण्ड के इसी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। अब जीआई टैगिंग के साथ, ब्राण्ड के सर्टिफिकेशन्स सुनिश्चित करते हैं कि ब्राण्ड का हर प्रोडक्ट उन कारीगरों से आया है जो सदियों से इस कारीगरी की धरोहर को संरक्षित बनाए रखे हुए हैं।

स्नैपचैट , डब्ल्यूपीपी मीडिया और ल्ह्वद्वद्गठ्ठ ने 'एटेंशन एडवांटेज रिसर्च लॉन्च की, भारत में डिजिटल विज्ञापनों के भविष्य को कर रहे हैं परिभाषित

मुंबई, एजेंसी। भारत की जनरल जेड कम्युनिटी के सबसे पसंदीदा प्लेटफॉर्म स्नैपचैट ने वैश्विक मीडिया एजेंसी डब्ल्यूपीपी मीडिया और अटेंशन-मेजरमेंट लीडर लुमेन के साथ मिलकर 'एटेंशन एडवांटेज, भारत का सबसे बड़ा मल्टी-प्लेटफॉर्म अटेंशन स्टडी लॉन्च किया। यह रिसर्च डिजिटल विज्ञापन के मूल्यांकन का

एक नया मापदंड, नया मॉडल और नया दृष्टिकोण पेश करती है, खासकर जनरल जेड को प्रभावी ढंग से टारगेट करने के लिए। यह ऐतिहासिक अध्ययन साबित करता है कि 'असली ध्यान' यानी किसी व्यक्ति की नज़र वास्तव में विज्ञापन पर हो ब्रांड प्रभाव और व्यापार वृद्धि का शक्तिशाली संकेतक है।
यह अध्ययन ऐसे समय पर आया है जब भारत की 377 मिलियन की जनरल जेड आबादी का खर्च करने की सामूहिक शक्ति 2035 तक 2 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन यह पीढ़ी उन विज्ञापनों को नकार देती है जो उनका ध्यान आकर्षित नहीं करते। 'एटेंशन एडवांटेज' अध्ययन यही समझने के लिए किया गया कि वास्तव में क्या काम करता है।

सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। राजकोट मुख्यालय वाली सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने 1,400 करोड़ रुपये के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। इस पेशकश में 1,000 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और 400 करोड़ रुपये तक का ऑफ़र फ़ॉर सेल शामिल है। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे पंप और मोटर, सोलर पंप और कंट्रोलर, पंखे, लाइटिंग, अन्य विद्युत उपभोक्ता उत्पाद और कृषि उपकरणों का बड़े पैमाने पर निर्माण करती है। वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 के बीच 95.17त्न की सीएजीआर के साथ परिचालन राजस्व के आधार पर, यह भारत में विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों की सबसे तेज़ी से बढ़ती निर्माता कंपनी है। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने गुजरात के राजकोट में 1,38,821 वर्ग मीटर में फैला भारत का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन और वर्टिकली इंटीग्रेटेड विद्युत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और कृषि उपकरणों का संयंत्र स्थापित किया है। 31 मार्च 2025 तक, कंपनी की स्थापित क्षमता पंप और मोटरों के लिए 24,00,000 यूनिट, पंखों के लिए 72,00,000 यूनिट, लाइटिंग उत्पादों के लिए 2,19,00,000 यूनिट और कृषि उपकरणों के लिए 72,000 यूनिट है। 31 मार्च 2025 तक आवासीय और सोलर पंप सेगमेंट में निर्माण क्षमता के मामले में कंपनी देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। निर्माण सुविधा में उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रमुख प्रक्रियाओं के लिए रोबोटिक ऑटोमेशन और कस्टमाइज्ड मशीनें हैं। यह बैकवर्ड इंटीग्रेटेड है, जिससे बाहरी निर्भरता कम होती है, उच्च गुणवत्ता का उत्पादन सुनिश्चित होता है और बड़े पैमाने पर कारोबारी संचालन संभव होते हैं। सिल्वर कंज़्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड एक दोहरे व्यवसाय मॉडल का संचालन करता है सिल्वर और बेदिया ब्रांड के तहत अपने ब्रांड की बिक्री, और भारत में प्रमुख मूल उपकरण निर्माताओं के लिए उत्पादों का डिज़ाइन, निर्माण और आपूर्ति। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएम) हैं और ट्राइलीगल लीगल काउंसल है।

एमराल्ड फाइनेंस का एमराल्ड

'एमराल्ड ईडब्ल्यूए ऐप गूगल प्ले स्टोर पर लॉन्च हुआ

मुंबई, एजेंसी। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड (बीएसई- एमराल्ड), जो भारत में अपने प्रमुख अर्ली वेज एक्सेस सहित वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने वाली एक गतिशील कंपनी है, ने अपने कर्मचारी-केंद्रित मोबाइल एप्लिकेशन एमराल्ड ईडब्ल्यूए के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की है, जो अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। केवल उन कंपनियों के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध जो एमराल्ड के साथ पंजीकृत हैं, एमराल्ड ईडब्ल्यूए ऐप अर्जित वेतन तक डिजिटल और सुविधाजनक पहुंच प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह लॉन्च आधुनिक कार्यबल को जिम्मेदार और तकनीक-सक्षम वित्तीय समाधान प्रदान करने की एमराल्ड की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, जो अल्पकालिक नकदी आवश्यकताओं को तत्काल और सुरक्षित तरीके से पूरा करता है। यह ऐप एमराल्ड के स्वामित्व वाले क्क-ड्रिवन प्लेटफ़ॉर्म द्वारा संचालित है, जो नियोक्ताओं की पेरोल प्रणालियों और समय ट्रैकिंग सॉफ़्टवेयर के साथ सहज रूप से एकीकृत होता है। इस रियल-टाइम एकीकरण की मदद से कर्मचारी अपनी अर्जित तनख्वाह का 40त्न तक किसी भी समय पे साइकिल के दौरान निकाल सकते हैं—वह भी एक पूर्णतः स्वचालित प्रणाली के माध्यम से। पुनर्भुगतान सीधे वेतन दिवस पर उनके वेतन से काट लिया जाता है, जिससे शुरुआत से ही शून्य डिफॉल्ट और कोई एनपीए नहीं रहा है। कंपनी प्रति लेनदेन 1.5त्न से 2त्न तक की मामूली प्रोसेसिंग फीस के माध्यम से राजस्व अर्जित करती है। यह संरचना उच्च परिचालन दक्षता और एक मजबूत जोखिम न्यूनीकरण मॉडल के चलते लगभग 24त्न की आंतरिक प्रतिफल दर निरंतर उत्पन्न करती रही है।

एमराल्ड ईडब्ल्यूए कार्यक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संजय अग्रवाल ने कहा- हमें एमराल्ड ईडब्ल्यूएऐप लॉन्च करने पर गर्व है, जो हमारे डिजिटल परिवर्तन के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्लेटफ़ॉर्म हमारे साझेदार कॉरपोरेट्स के कर्मचारियों को उनकी अर्जित वेतन तक तुरंत और लचीली पहुंच प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है—जिससे महंगे क्रेडिट पर निर्भरता समाप्त होती है और वित्तीय भलाई को बढ़ावा मिलता है।

व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह ऐप न केवल उपयोगकर्ता सहभागिता और सेवा वितरण को बेहतर बनाता है, बल्कि उच्च लेनदेन मात्रा और गहन क्लाइंट एकीकरण के माध्यम से हमारे आवर्ती राजस्व मॉडल को भी मजबूत करता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, यह मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण वेतन से जुड़ी अतिरिक्त वित्तीय सेवाएं—जैसे कि पर्सनल लोन, गिफ्ट वाउचर, और इनवॉइस डिस्काउंटिंग—प्रस्तुत करने के लिए एक मजबूत आधार बनेगा, जिससे नए विकास के अवसर खुलेंगे।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने 2025 के लिए 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का स्वागत कर वैश्विक उपस्थिति मजबूत की

तिरुचिरापल्ली/दिल्ली एनसीआर, एजेंसी। उच्च शिक्षा के लिए एक वैश्विक केंद्र बनने के भारत के विज़न के अनुरूप एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) ने 2025 अकादमिक सत्र के लिए अपने रामापुरम और तिरुचिरापल्ली कैंपस में 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का स्वागत किया है। अपने परिवार के साथ ये विद्यार्थी श्री लंका, म्यांमार, नेपाल, थाईलैंड, सिंगापुर, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों से यात्रा कर यहां पहुंचे और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एवं वैश्विक भविष्य के लिए इस संस्थान को अपने स्थल के रूप में चुना।

इन विद्यार्थियों को संस्थान में शामिल करने के प्रतीक के रूप में एसआरएमआईएसटी ने भारत की समृद्ध विरासत का अनुभव लेने में उनकी मदद के लिए एक विशेष हेरिटेज विजिट का आयोजन किया। विद्यार्थियों को स्वागत का एहसास कराने, इस देश की परंपराओं से उनका परिचय कराने और शुरुआत से ही समुदाय से जुड़ाव महसूस कराने के लिए यह पहल डिजाइन की गई थी।

इस पहल के बारे में एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक डॉक्टर कतिरवन कन्नन ने कहा, हमें हमारे कैंपस में एशिया और पश्चिम एशिया से विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। इन युवा विद्यार्थियों ने अपने भविष्य के लिए एसआरएम इंस्टीट्यूट को आधार सोपान के रूप में चुना। हमारा लक्ष्य ना केवल उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना, बल्कि एक ऐसा सहायक एवं समावेशी वातावरण तैयार करना है जहां विभिन्न संस्कृतियों से आए विद्यार्थी फल फूल सकें।

इन अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने विभिन्न स्नातक कार्यक्रमों जैसे कंप्यूटर साइंस, एआई एवं मशीन लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग एवं बायोटेक्नोलॉजी के साथ ही स्नातकोत्तर कार्यक्रमों जैसे बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में नामांकन कराया है।

शेरा एनर्जी ने क्यू1 एफवाय26 में समेकित पीबीटी में 52 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की अग्रणी निर्माता कंपनियों में से एक है, ने क्यू1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नदीम शेख ने कहा- हमने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही को मजबूत गति के साथ पूरा किया है, जो वित्तीय वृद्धि और रणनीतिक प्रगति ङ्क दोनों से परिपूर्ण रही।
हमारा समेकित प्रदर्शन प्रमुख क्षेत्रों में स्वस्थ मांग और हमारे एकीकृत व्यावसायिक मॉडल की निरंतर मजबूती को दर्शाता है। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रही हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, शेरा ज़ाम्बिया लिमिटेड के माध्यम से ज़ाम्बिया में कॉपर कैथोड निर्माण सुविधा का अधिग्रहण। यह कदम हमारी बैकवर्ड इंटीग्रेशन क्षमताओं को मजबूत करता है, जिससे हमें उच्च-शुद्धता वाले तांबे की स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जो हमारे उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। इससे हमारे लागत ढांचे में सुधार होगा, मार्जिन विस्तार को बल मिलेगा और आपूर्ति श्रृंखला की दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित होगी। एनएसई द्वारा हमारे प्रेफरेंशियल इक्विटी शेयर्स को मंजूरी मिलना भी निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है और हमारे भविष्य के विस्तार के लिए पूंजी आधार को और मजबूत करता है। हमारी विकास रणनीति वैश्विक और घरेलू बाजारों की बदलती ज़रूरतों के साथ अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। वैश्विक वाइंडिंग वायर बाजार के 2024 में 14.88 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 23.02 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो ऑटोमोटिव, औद्योगिक मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से बढ़ती मांग के कारण है। उच्च गुणवत्ता वाले वाइंडिंग वायर और गैर-लौह धातु उत्पादों के अग्रणी निर्माताओं में से एक के रूप में, शेरा एनर्जी इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा संक्रमण और बुनियादी ढांचे के विकास से प्रेरित तांबे की बढ़ती मांग हमारे हालिया रणनीतिक पहलों की प्रासंगिकता को और बढ़ाती है। आगे देखते हुए, हम अपने संचालन को बढ़ाने, वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने और अपने पोर्टफोलियो में नवाचारपूर्ण, वैल्यू-एडेड उत्पादों को प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

मेकमायट्रिप ने लॉन्च किया बहुभाषी जनरेटिव एआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट - यात्रा बुकिंग को बनाया संवादात्मक और समावेशी

एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क पर आधारित यह सिस्टम रियल-टाइम में लाखों ट्रैवल फैसलों को देगा ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी, मेकमायट्रिप ने ट्रैवल प्लानिंग को सरल, संवाद-आधारित और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने जनरेटिव एआई-इनेबल्ड ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट लॉन्च किया है, जो यात्रा की खोज से लेकर बुकिंग, यात्रा के दौरान और उसके बाद तक हर चरण में यूजर्स की मदद करेगा। यूजर्स को उनके पूरे सफर में बातचीत के माध्यम से सहायता मिलेगी, जिसमें डेस्टिनेशन की तलाश, खरीदारी, यात्रा के दौरान, और बिक्री के बाद के परिदृश्य शामिल हैं। नया जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट पुराने एआई एजेंट मायरा का बेहतर वर्जन है, जो अब आवाज और टेक्स्ट के ज़रिए यात्रियों से बात कर सकता है। इससे उन लोगों को भी मदद मिलेगी जो अब तक अंग्रेजी भाषा में असहज होने की वजह से ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग से वंचित

थे। मायरा का बीटा वर्जन अभी अंग्रेजी और हिंदी में लाइव है। आने वाले समय में इसे कई अन्य भारतीय भाषाओं में भी लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल यह वर्जन शुरुआती यूजर्स के फीडबैक के आधार पर बेहतर संवाद अनुभव के लिए परखा जा रहा है।

इस असिस्टेंट की मदद से यूजर्स आसानी से हिंदी या अंग्रेजी में यात्रा से जुड़े कठिन सवाल भी पूछ सकते हैं, जैसे अगस्त में मैं अपने बच्चों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए कहाँ जा सकता हूं या मुझे उदयपुर में 3-स्टार होटल 3500 रुपये के बजट में चाहिए। या मैं दक्षिण भारत में मदुरै, रामेश्वरम, कोवलम, कोडाइकनाल घूमना चाहता हूँ। लेकिन फ्लाइट से नहीं जाना चाहता, कोई अच्छा रूट बताइए। आपको वास्तविक समय में उपलब्धता, कीमतों और प्रासंगिकता के आधार पर अपने सभी सवालों के व्यक्तिगत जवाब मिलेंगे। अधिकांश ग्लोबल एआई प्लेटफ़ॉर्म केवल सुझाव देकर रुक जाते हैं, जबकि मायरा यूजर को प्रेरणा से बुकिंग तक के पूरे सफर में एक ही संवाद में ले जाती है ङ्क जहां उपयोगकर्ता केवल बातचीत के जरिए ही ट्रैवल प्लानिंग से लेकर पक्की बुकिंग तक पहुंच सकता है। जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट, मायरा, सभी प्रमुख यात्रा श्रेणियों—फ्लाइट, एकोमोडेशन, हॉलिडेज़, ग्राउंड ट्रांसपोर्ट, वीजा और फॉरेक्स के लिए विशेष एआई एजेंट्स के नेटवर्क पर बनाया गया है। यह टेक्स्ट, वॉइस, इमेज और वीडियो जैसे मल्टीमॉडल इनपुट्स को सपोर्ट करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप में करेंगे भारत की कप्तानी, आईसीसी ने दिया बड़ा हिंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने टी20 और टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। जिसके बाद अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट में भारत के लिए खेलते हुए दिखेंगे। इतना ही नहीं रोहित अभी वर्ल्ड कप के कप्तान भी हैं। फैंस को उम्मीद है कि रोहित वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक कप्तानी कर सकते हैं। वहीं अब फैंस को उम्मीदों को बल आईसीसी के एक पोस्टर ने भी दे दिया है।

दरअसल, 2026 में भारतीय टीम लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज को लेकर आईसीसी ने एक पोस्टर जारी किया है। इसमें इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और भारत के मौजूदा वनडे कप्तान रोहित शर्मा नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर रोहित 2026 में टीम की कप्तानी करेंगे तो क्या वह 2027 वर्ल्ड कप तक वनडे कप्तान बने रह सकते हैं?

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत के बाद रोहित ने इस फॉर्मेट को टाटा कर दिया था। अब उनका पूरा फोकस वनडे पर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में जोर देकर कहा था कि 2027 के लिए योजना बनाना अभी जल्दबाजी होगी। इंग्लैंड सीरीज से पहले गंभीर ने कहा कि, उससे पहले अभी टी20 वर्ल्ड कप बाकी है। वह भी एक टूर्नामेंट है, जो फरवरी-मार्च में भारत में होने वाला है। इसलिए इस समय पूरा फोकस है। इंग्लैंड सीरीज के बाद टी20 वर्ल्ड कप पर फोकस रहेगा। नवंबर-दिसंबर 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप में अभी भी ढाई साल का समय है।

गंभीर ने आगे कहा कि, अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते रहें, तो उम्र बस एक नंबर है। भारत के पास अभी 3 फॉर्मेट में 3 कप्तान हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 इंटरनेशनल की कमान संभाल रहे हैं। वहीं रोहित के संन्यास के बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई। गिल की कप्तानी वाली

टीम ने इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई।

39 साल बाद न्यूजीलैंड ने हिलाई रिकॉर्ड बुक; भारत के अलावा ऐसा करने वाली बनी तीसरी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलावायो के क्रीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट में कीवी बल्लेबाजों ने ऐसा धमाका किया कि रिकॉर्ड बुक हिल गई। पहली पारी में जिम्बाब्वे को मात्र 125 रनों पर ढेर करने के बाद न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 130 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 601 रन ठोक दिए। सबसे खास बात यह रही कि डेवोन कॉन्वे, रचिन रवींद्र और हैनरी निकोल्स तीनों बल्लेबाजों ने 150 रन का आंकड़ा पार किया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ तीसरी बार हुआ है, जबकि न्यूजीलैंड ने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। मैच में सलामी बल्लेबाज कॉन्वे ने 153 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दी। इसके बाद रवींद्र और निकोल्स ने चौथे विकेट के लिए 250 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी कर मेजबानों की कमर तोड़ दी। दोनों बल्लेबाज दूसरे दिन के अंत तक क्रीज पर डटे रहे और रन बरसाते रहे। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के पास इन पर कोई जवाब नहीं था। इससे पहले यह कारनामा भारत ने 1986 में कानपुर टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ किया था। उस मैच में श्रीलंका को पहली पारी में 420 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 676 रन बनाए थे। इस दौरान सुनील गावस्कर ने 176, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 199 और कप्तान कपिल देव ने 163 रन ठोके थे। भारतीय बल्लेबाजों की इस त्रयी ने विपक्षी टीम को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया था। ऐतिहासिक उपलब्धि की शुरुआत 1938 में इंग्लैंड ने की थी, जब ओवल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने यह अनोखा रिकॉर्ड बनाया। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 903 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था और 7 विकेट पर पारी घोषित कर दी थी। लियोनार्ड हटन ने 364, मौरिस लेलैंड ने 187 और जो हार्डस्टाफ ने 169 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 201 और 123 रनों पर आउट कर मैच 579 रनों से जीता था। बुलावायो टेस्ट में न्यूजीलैंड की मौजूदा स्थिति देखकर यह साफ है कि वे न केवल मैच पर पूरी पकड़ बना चुके हैं, बल्कि अपने बल्लेबाजों की ऐतिहासिक पारी से क्रिकेट जगत में फिर एक बार खास पहचान बना रहे हैं। यह प्रदर्शन लंबे समय तक याद किया जाएगा, क्योंकि इसने कीवी क्रिकेट के स्वर्णिम पलों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

क्रिकेटर यश दयाल पर लगा बैन, अब इस बड़ी टी20 लीग में नहीं खेल पाएंगे

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज यश दयाल की मुश्किलें कम होने की बजाय बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, रेप केस में फंसे यश दयाल पर अब बैन लग गया है। आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज यश दयाल इस साल यूपीटी20 लीग में खेलने नहीं दिखेंगे। UPCA ने यश दयाल पर बैन लगा दिया है। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने ये फैसला जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में यश दयाल के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज होने के बाद लिया है, जिसमें उनपर पर 17 साल की नाबालिग के साथ बलात्कार का आरोप लगाया गया था। यश दयाल को आखिरी बार मई की शुरुआत में आईपीएल 2025 ट्रॉफी जीतने वाली आरसीबी टीम का हिस्सा रहते हुए देखा गया था। इसके बाद से वह क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गोरखपुर लायंस द्वारा 7 लाख रुपये में खरीदे गए यश दयाल को यूपीसीए ने यूपीटी20 2025 में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। रिपोर्ट में यूपीसीए सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यश दयाल पर दर्ज मामलों के कारण उन्हें लीग से

प्रतिबंधित कर दिया गया है। बता दें कि, पहले यश दयाल पर एक महिला ने गाजियाबाद में एफआईआर दर्ज कराई। इसमें कहा गया था कि यश दयाल ने महिला को शादी का झांसा देकर उनका यौन शोषण किया। ये शिकायत 21 जून को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के शिकायत पोर्टल पर दर्ज की गई थी, जिसके बाद औपचारिक एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। फिर जुलाई की शुरुआत में यश दयाल पर जयपुर में एफआईआर दर्ज हुई। इस बार राजस्थान हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी।

आयरलैंड की महिला टीम ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया

डबलिन (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में इस वक्त कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। पाकिस्तान की पुरुष टीम में आए दिन बवाल होते हैं। पाकिस्तान की टीम लंबे समय से कोई बड़ा टूर्नामेंट और सीरीज नहीं जीत पाई है। कुछ वैसा ही हाल पाकिस्तान की महिला टीम का भी हो चुका है। पाकिस्तान की महिला टीम को आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ टी20 सीरीज में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इस सीरीज के दूसरे मैच में आयरलैंड की टीम ने पाकिस्तान को हराया और सीरीज अपने नाम कर ली है।

आयरलैंड की टीम ने जीती सीरीज

आयरलैंड ने पाकिस्तान को रोमांचक टी20 मुकाबले में हराया। जेन मेगोइर ने आखिरी गेंद पर छक्का मारकर आयरलैंड को जीत दिलाई। आयरलैंड ने क्लोनटर्फ क्रिकेट क्लब में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ आयरलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन बनाए थे। जवाब में आयरलैंड ने आखिरी गेंद पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

पाकिस्तान ने बनाए 168 रन

पाकिस्तान की शवाल जुल्फिकार ने 27 गेंदों में 33 रन बनाए। वह कारा मरे का शिकार बनीं। पाकिस्तान ने 6 विकेट खोकर 168 रन बनाए। आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रमीन शमीम ने गेबी लुइस और ली पॉल को लगातार गेंदों पर आउट कर दिया। आयरलैंड का स्कोर 3 विकेट पर 35 रन हो गया था। लौरा डेलानी ने हैट्रिक गेंद को बचाया। उन्होंने 42 रन बनाए। ओर्ला प्रेनडरगास्ट ने 34 गेंदों में 51 रन बनाए। रेबेका स्टॉकेल 16 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहीं। एवा कैनिंग आखिरी गेंद से पहले स्टंप आउट हो गईं। इससे मेगोइर को हीरो बनने का मौका मिल गया।

सचिन से आगे निकल जाएंगे रुट : पनेसर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का मानना है कि स्टार जो रूट अपने करियर में 18,000 रन बना सकते हैं। पनेसर के अनुसार जिस प्रकार रुट ने भारत के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बनाये। वह सिलसिला आगे भी जारी रह सकता है। पिछले कुछ सालों में जो रूट ने जमकर रन बनाये हैं। ऐसे में वह महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का सबसे ज्यादा 15921 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। रूट भारत के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। उन्होंने 500 से ज्यादा रन बनाए। सीरीज के अंतिम मैच में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। पोंटिंग ने 13378 रन बनाए हैं, जबकि रूट के अब 13543 रन हो गए हैं। रूट तेंदुलकर से केवल 2378 रन पीछे हैं। पनेसर का मानना है कि जो रूट तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़कर आगे निकल जाएंगे। मुझे लगता है कि 18,000 रन बनाएंगे क्योंकि वह सिर्फ 34 के हैं। वह 34 के हैं, उनके पास 6 साल और है।

जब भी बल्लेबाजी पर उठे सवाल, शुभमन गिल ने बल्ले से दिया बखूबी जवाब

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज में अपनी बल्लेबाजी से उन सभी सवालों के जवाब दे दिए जो अक्सर उठाए जाते थे। इंग्लैंड में पांच मैचों की श्रृंखला में गिल की पहली सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई। वह श्रृंखला में उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाए। गिल ने 10 पारियों में 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। गिल ने चार शतक लगाए। उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक पार्थिव पटेल ने कहा कि जब गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे थे, तो सवाल उठ रहे थे कि क्या वह विदेशी पिच पर अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे? क्या वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए। हेडिंग्ले में गिल ने पहली पारी में 147 रन बनाए, तो दूसरी पारी में लोगों ने कहा कि उस बड़े स्कोर के बाद उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। एजबेस्टन में पहली पारी में 269 रन आए तो चर्चा हुई कि कहीं यह रन कम न पड़ जाए लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 161 रन बनाए। पटेल ने कहा कि तीसरे टेस्ट में, वह दोनों पारियों में जल्दी आउट हो गए, और उनके फॉर्म पर फिर से सवाल उठने लगे, जबकि पिछले मैच में उन्होंने पहले ही 430 रन बना लिए थे और फिर मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाया, एक ऐसा मैच जिसे भारत को ड्रॉ कराना था। जब भी कोई चुनौती आई है, जब भी सवाल पूछे गए, गिल ने अपने बल्ले से उनका बखूबी जवाब दिया।

टीम इंडिया के धुरंधर बल्लेबाज विराट अमीन के साथ फिर पिच पर आए नजर

ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक दिवसीय मैचों के लिए कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा- हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान नईम अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर दोबारा स्टोरी शेयर करते हुए कहा कि भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं। अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में रहे। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। कोहली का ध्यान अब भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ आईपीएल की प्रतिबद्धताओं पर केंद्रित है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए उनके फैंस बेताब हैं। हालांकि फैंस को अभी अक्टूबर तक इंतजार करना पड़ेगा। भारत को यूं तो अगस्त में बांग्लादेश में तीन एकदिवसीय मैच खेलने थे, लेकिन यह श्रृंखला सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले चुके हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टरूबा(एजेंसी)। टी20 सीरीज में कहर ढाने के बाद पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज का भी विजयी आगाज किया है, लेकिन ये जीत उसे आसानी से नहीं मिली। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 49 ओवरों में 280 रनों पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान ने ये टारगेट 48.5 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टारगेट का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने एक समय अपने पांच विकेट 180 रनों पर ही खो दिए थे और उस पर हार का संकट था। तभी हसन नवाज और हुसैन तलत ने बेहतरीन साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। हसन ने 54 गेंदों पर पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। हुसैन तलत ने 37 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रनों की नाबाद पारी खेली।

बाबर अर्धशतक से चूके

सैम अयूब पाकिस्तान को अब्दुल्ला शफीक के साथ मिलकर अच्छी शुरुआत नहीं दे सके। अयूब ने 12 गेंदों पर पांच रन बनाए। अब्दुल्ला ने फिर बाबर आजम के साथ मिलकर टीम को 50 के पार पहुंचा दिया। शामर जोसेफ ने इस साझेदारी को तोड़ा और शफीक को 29 रनों पर आउट कर दिया। उनका विकेट 63 रनों पर गिरा। बाबर आजम अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। 47 के निजी स्कोर पर उन्हें गुडकेश मोती ने अपना शिकार बनाया। बाबर ने 64 गेंदों का सामना कर पांच चौके और एक छक्का मारा।

सलमान अगा 23 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान मोहम्मद रिजवान के रूप में पाकिस्तान ने अपना पांचवां विकेट खोया। वह 69 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 53 रन बना पाए। यहां से पाकिस्तान पर हार का संकट था। हसन और हुसैन ने पहले विकेट पर पैर जमाए और फिर स्कोरबोर्ड को चालू रखते हुए टीम को जीत की दहलीज पार कराई। इन दोनों ने 104 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

विंडीज की तरफ से लगे तीन अर्धशतक

पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज को शाहीन अफरीदी ने शुरुआती झटका दे दिया। उन्होंने चार के कुल स्कोर पर ब्रेंडन किंग को पवेलियन की राह दिखाई। दूसरे सलामी बल्लेबाज एविन लुईस ने कैसी कार्टी के साथ मिलकर टीम को खराब शुरुआत से बाहर निकाला। कार्टी 30 रन बनाकर पवेलियन लौट लिए। लुईस को 105 के कुल स्कोर पर अयूब ने पवेलियन भेज दिया। शेरफन रदरफोर्ड को सलमान ने 10 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर वेस्टइंडीज को चौथा झटका दिया। इसके बाद कप्तान

शै होप और रोस्टन चेज ने टीम को संभाला। दोनों ने 64 रन जोड़े। होप को 55 के निजी स्कोर पर अफरीदी ने अपना शिकार बनाया। अफरीदी ने फिर खतरनाक रोमारियो शेफर्ड को चार रनों से आगे नहीं जाने दिया। नसीम शाह ने चेज को आउट कर अपना खाता खोला। अंत में मोती ने 18 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 31 रन बनाते हुए टीम को 250 के पार पहुंचाया।

जॉन सीना-लोगान पॉल के धमाकेदार मुकाबलों से गूंजा एरीना

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन का ताज़ा एपिसोड रोमांच और ड्रामे से भरपूर रहा, जहां शुरुआत से लेकर अंत तक दर्शकों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। शो की शुरुआत जॉन सीना ने की, जिन्होंने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए ब्रॉक लेसनर को सीधी चुनौती दी और कहा कि वे उनसे डरते नहीं हैं। इसी बीच लोगान पॉल ने एंट्री मारते हुए सीना को झूठा करार दिया और मैच की मांग कर डाली। दोनों के बीच तीखी नोकझोंक चल ही रही थी कि ड्रू मैकइंटायर ने सीना पर अचानक हमला कर दिया। हालांकि कोडी रोड्स ने आकर सीना को बचाया और पॉल-मैकइंटायर की जोड़ी को उसी रात टैग टीम मैच की चुनौती दी, लेकिन मुकाबला बिना नतीजे के समाप्त हुआ। पहला मैच द एमएफटी और मोटर सिटी मशीन गन्स के बीच हुआ, जिसमें तेज़-तर्रार मूव्स और सुपरकिक्स की बरसात देखने को मिली। अंत में टाला ने चोकस्लैम के जरिए साबिन को हराकर द एमएफटी को जीत दिलाई। दूसरा मुकाबला सोलो सिकोआ और सामी जैन के बीच रहा, जिसमें शुरुआती बढ़त सोलो के पास थी। लेकिन टामा टोंगा और एमएफटीस के हस्तक्षेप के बावजूद सामी ने रोलअप से शानदार जीत दर्ज की। तीसरे मैच में शार्लेट फ्लेयर और चेल्सी ग्रीन आमने-सामने थीं। रिंगसाइड पर कई बार ध्यान भटकाने की कोशिश हुई, यहां तक कि जन्मदिन का केक भी हथियार बनने वाला था। मगर एलेक्सा के हस्तक्षेप और फ्लेयर की चतुराई से ग्रीन को केक में मुंह मारना पड़ा और फिगर-एट लॉक के जरिए फ्लेयर ने जीत अपने नाम की। बैकस्टेज सेगमेंट में जॉन सीना और आर-ट्रूथ की मुलाकात ने माहौल हल्का-फुल्का कर दिया, जहां दोनों ने दोस्ती का जश्न मनाया। कुल मिलाकर, यह स्मैकडाउन एपिसोड हाई-ऑक्टेन एक्शन, चौंकाने वाले पलों और दर्शकों को सीट से बांधे रखने वाले ट्विस्ट से भरा रहा। जॉन सीना और लोगान पॉल के बीच शुरू हुआ टकराव आने वाले शो के लिए बड़ा संकेत है, जबकि कोडी रोड्स और ड्रू मैकइंटायर की मौजूदगी ने कहानी को और दिलचस्प बना दिया। रिंग के भीतर और बाहर हुए सभी घटनाक्रम ने साबित किया कि यह एपिसोड हाल के सबसे धमाकेदार स्मैकडाउन में से एक रहा।

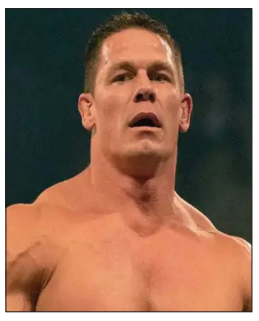

बाबर आज़म की टी20 टीम में वापसी हो : वसीम अकरम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले देश के स्टार बल्लेबाज बाबर आज़म को टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस शामिल करने की मांग की है। दिसंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 खेलने के बाद से बाबर टीम से बाहर हैं। औसत प्रदर्शन और स्ट्राइक रेट को लेकर आलोचना के चलते उन्हें प्रबंधन की योजनाओं से बाहर माना जा रहा था। अकरम का मानना है कि एशिया कप और आगामी टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान को एक अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है, और बाबर इस भूमिका के लिए आदर्श खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे पास अधिकार होता, तो मैं बाबर को टीम में जरूर शामिल करता। वह परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी ढाल सकते हैं, जैसा उन्होंने 2019 में समरसेट के लिए खेलते हुए लगभग 150 के स्ट्राइक रेट के साथ दिखाया था।' पूर्व कप्तान ने बाबर की बहुमुखी प्रतिभा पर जोर देते हुए कहा कि वह किसी भी बल्लेबाजी क्रम में योगदान दे सकते हैं। अकरम ने तीसरे नंबर को बाबर के लिए आदर्श स्थान बताया, लेकिन स्थिति के अनुसार बदलाव की गुंजाइश भी रखी। उन्होंने कहा, 'जब हम 140 या 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हैं, खासकर बड़ी टीमों के खिलाफ, हमें ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो जिम्मेदारी उठाए और बाकी टीम को साथ लेकर चले। बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है और भविष्य में भी पाकिस्तान के लिए बहुत कुछ कर सकता है।' अकरम का मानना है कि बाबर में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है और टीम को उनके अनुभव का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने प्रशंसकों से भी बाबर का समर्थन करने की अपील की। एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें पाकिस्तान अपना पहला मैच 12 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ओमान के खिलाफ खेलेगा।

शाहीन अफरीदी ने अपने नाम किया ये खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने खराब फॉर्म होने के बाद भी शानदार प्रदर्शन कर वेस्टइंडीज के खिलाफ धमाल मचाया है। त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। शाहीन अफरीदी ने राशिद खान को एक खास सूची में पीछे कर दिया है। उन्होंने 65 वनडे खेलने के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने मेजबान टीम के खिलाफ टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इविन लुईस, रोस्टन चेज और कप्तान शाई होप की अर्धशतकीय पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने 280 रन बनाए। पाकिस्तान ने 48.5 ओवर में पांच के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की। शाहीन ने मुकाबले में चार विकेट लेकर पाकिस्तान को जीत दिला दी। इस चार विकेट के साथ शाहीन ने 65 वनडे मैचों में 131 विकेट पूरे किए। पाकिस्तानी स्टार गेंदबाज अब 65 वनडे मैचों के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। 65 वनडे मैचों के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट राशिद खान ने लिए थे। जिन्होंने 128 विकेट लिए थे। सूची में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क का नाम तीसरे नंबर पर खिसक गया है। उन्होंने 65 वनडे खेलने के बाद 126 विकेट चटकाए थे। पाकिस्तान के दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने इतने मुकाबले खेलने के बाद 122 वनडे विकेट अपने नाम किए थे। न्यूजीलैंड के महान तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड ने भी इतने ही विकेट हासिल किए थे।

ओवल टेस्ट में भारत पर था स्लो ओवर रेट से बचाने के दबाव- गौतम गंभीर ने लिया था बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में भारत ने 6 रनों से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन और भारत को 4 विकेट चाहिए थे। मोहम्मद सिराज की धारदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड टिक नहीं पाया और टीम इंडिया ने मैच जीतकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में कीमती अंक हासिल किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह जीत भारत को न केवल सीरीज बराबरी दिलाने में अहम रही, बल्कि डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल पर भी दोहरे नुकसान से बचाया। दरअसल, मैच के पांचवें दिन सुबह मैच रेफरी जेफ क्रो ने भारतीय टीम को चेतावनी दी थी कि वे निर्धारित समय से छह ओवर पीछे हैं। यदि यह ओवर रेट सुधरा नहीं, तो चार डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते थे। ऐसे में भारत को या तो इंग्लैंड को जल्द आलआउट करना था या ओवर रेट सुधारना था। चेतावनी के बाद ड्रेसिंग रूम में कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सितांशु कोटक के बीच अहम रणनीति बैठक हुई। बैठक में एक सुझाव आया कि प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर पूरे होने के बाद दोनों छोर से रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी दी जाए, ताकि ओवर रेट सुधारा जा सके। हालांकि, इसके साथ यह जोखिम भी था कि इंग्लैंड के जेमी स्मिथ और जेमी ओवरटन स्पिनरों के खिलाफ तेजी से रन बना सकते हैं और मैच पलट सकता है।

इस पर कोच गौतम गंभीर ने साफ कहा कि उन्हें ओवर रेट की चिंता नहीं है, चाहे चार अंक कट जाएं, लेकिन टीम को जीत के लिए ही खेलना है। इसके बाद फैसला हुआ कि एक छोर से प्रसिद्ध कृष्णा और दूसरे छोर से मोहम्मद सिराज को लगातार आक्रमण पर रखा जाएगा। कप्तान शुभमन गिल ने भी इस रणनीति को मंजूरी दी। नतीजा यह हुआ कि तेज गेंदबाजों के दम पर भारत ने इंग्लैंड के बाकी विकेट जल्दी गिरा दिए और मैच 6 रनों से अपने नाम कर लिया। यह जीत केवल स्कोरबोर्ड पर नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती और आक्रामक खेल भावना का भी प्रमाण रही। सिराज की निर्णायक स्पेल और गंभीर की आक्रामक सोच ने भारत को हार से जीत की ओर मोड़ दिया, साथ ही डब्ल्यूटीसी में बहुमूल्य अंक भी दिलाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। क्या तुम्हें पता है कि समोसे जैसी फेमस चीज जो तुम अक्सर खाया करते हो उसका ऑरिजिन भारत नहीं है। ऐसी ही कुछ और चीजें जो देश में कहीं और से आई लेकिन इस देश का हिस्सा बन गई।

भारत ऑरिजिन की नहीं है, देश का हिस्सा बनी ये चीजें

समोसा

यह ट्रायंगल तो सारे बच्चों का प्यारा है या यूं कहें कि बड़ों के मुंह में भी इसको देखकर पानी आ जाता है। क्या तुम्हें पता है कि समोसा भारत की उपज नहीं है। प्राचीन काल में सेंट्रल एशिया के जिन रास्तों से व्यापार हुआ करता था वहां से होता हुआ यह भारत पहुंचा। दरअसल इस ट्रायंगल स्नैक्स को बनाना सबसे आसान होता है और रात को मुसाफिर जब रास्तों में हॉल्ट करते हुए आते थे तो समोसों को कैंपफायर के आस-पास भी तैयार कर लिया करते थे।

आलू

सब्जियों का राजा माना जाने वाला आलू सब्जियों में बच्चों की पहली पसंद है। इसके बिना तो सब्जी या किसी स्नैक की कल्पना करना ही थोड़ा मुश्किल लगता है! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि आलू मात्र चार सौ साल पहले ही हमारे देश में आया और यहां तक कि टमाटर का इस्तेमाल भी देश में पहली बार 19वीं शताब्दी में किया गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड में जन्मा यह खेल आज भारत में गली-गली का खेला जाता है। यहां तक कि आईसीसी की इनकम में भारत की कमाई की भागीदारी 70 से 80 प्रतिशत तक है। देश में क्रिकेट सबसे पॉपुलर खेलों में से एक है।

राजमा

पंजाबी डिशेज की लिस्ट राजमा के बिना अधूरी मानी जाती है। बड़े चाव से राजमा, चावल खाने वालों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने देश में नहीं बल्कि कोलोनियल अमेरिका में पैदा हुआ है। किडनी बीन्स यानी राजमा को 8000 साल पहले एकेडियन किसानों ने लुसियाना में उपजाया था।

हैंड नीटिंग

सर्दियों के मौसम में अपने घरों में भी तुमने मम्मी या दादी, नानी को हाथों से बुनाई करते हुए देखा होगा। जो कई तरह के स्वेटर तुम्हारे लिए तैयार करती होंगी।

तुम्हें लगता होगा कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी देश में आगे बढ़ी होगी लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि हाथों से बुनाई का काम अपने देश की कला नहीं बल्कि इजिप्ट से यहां आया था।

सिल्क

तुम्हारी मम्मी के पास भी सिल्क की साड़ियां जरूर होंगी? क्या तुम्हें पता है कि यह सिल्क हमारे देश की नहीं है, बल्कि कई सदियों पहले चीन के व्यापारी इसे यहां लाए थे। हमारे यहां मिलने वाले सिल्क वॉर्म वही पहले चाइनीज पेयर थे जिनसे सिल्कवॉर्म की संख्या बढ़ाई गई।

पतंग

दो हजार साल पहले पतंगों को चीन में तैयार किया गया था। अब तो भारत में गांव के बच्चों के खेल का यह हिस्सा बन गया है तो शहरों में व्रत-त्योहार के मौके पर लोग रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं।

चाय

सुबह की शुरुआत तुम्हारे घर में भी चाय की चुस्कियों के साथ होती होगी। लेकिन देश का मुख्य पेय चाय भी चीन से यहां पहुंचा है।

कागज पर उतारो पत्तियां

आजकल वॉटर कलर डेकोरेशन और डिजाइन में इस्तेमाल हो रहा है लेकिन हम इस वॉटरकलर को पत्तियां बनाने के लिए प्रयोग करेंगे। इससे तैयार पत्तियां एक बेहतरीन आर्ट वर्क की तरह नजर आती हैं।

किन चीजों की होगी जरूरत

- वॉटरकलर सेट
- विभिन्न प्रकार के वॉटर कलर ब्रशेस
- गार्डन से तोड़ी हुई अलग-अलग प्रकार की पत्तियां

बनाओ कलर पैलेट

सबसे पहले तो अपना एक कलर पैलेट तैयार करो और उसकी टेस्टिंग पेपर के अलग-अलग टुकड़ों पर करो। जब तक तुमको अपना पसंदीदा शेड ना मिल जाए तब तक पैलेट तैयार करते रहो ताकि जब तुम पत्तियों को उससे ड्रॉ करो तो वो बिल्कुल असली नजर आएं।

कौन-कौन से कलर

परमानेंट सैप ग्रीन, ग्रीन ब्लू शेड, रॉ एंबर, ब्लू ग्रीन, बरन्ट सिएना। बाकी शेड अन्य कलर्स के मिक्सचर से तैयार किए जा सकते हैं।

डूडलिंग करना तो हर किसी को भाता है लेकिन क्या कभी सीरियस पेंटिंग के बारे सोचा है। अरे तुम्हें पेंटर बनाने की बात नहीं कर रहे, यदि तुम्हें भी रंगों से प्यार है और कुछ न कुछ बनाते रहना तुम्हारी हॉबी है तो क्यों ना कुछ क्रिएटिव किया जाए। आओ मिलकर वॉटर कलर के जरिए लीविंग लीव्स को कागज पर उतारें, सोच में पड़ गए! चलो इसे करके देखते हैं।

इस तरह दो अपनी पत्तियों को आकार

- सबसे पहले लाइट स्केच तैयार करो और फिर इसे भीगे ब्रश से अंदर की ओर भरो। इससे तुम्हें कलर के फरस्ट लेयर को फैलाने में मदद मिलेगी।
- तुमने ग्रीन का जो शेड तैयार किया है उसका सबसे हल्का शेड प्रयोग करो।
- पहली लेयर के सूख जाने के बाद दूसरी लेयर बनाओ जो सबसे हल्के शेड की हो। अब डार्क शेड की दूसरी लेयर लगाओ और उसे फिर सूखने दो।
- पेपर को थोड़ा तिरछा कर दो और पेंट को पेंट की हुई पत्ती के टिप तक पहुंचने दो। इसके सूख जाने के बाद ग्रीन की एक और लेयर इस पर लगाओ।
- वॉटर कलर में यह चीज स्पष्ट नजर आती है इसमें जितने लेयर्स में कलर लगाए जाते हैं इमेज उतनी ही क्लियर नजर आने लगती है।
- अपने ब्रश को पानी में डुबाकर उसे पत्ती के ऊपर फिराओ। जब यह हल्का गीला रहे तो उसके ऊपर रॉ एंबर कलर का हल्का शेड पत्ती के लाइट साइड पर लगाओ।
- कलर जब हल्के गीले हों तो अपने ब्रश पर बरन्ट सिएना कलर को पत्ती के ऊपर टपकाओ। तुम देखोगे कि कलर्स एक-दूसरे पर चढ़े हुए नजर आएंगे।
- अब पत्ती के अलग-अलग हिस्से पर कलर टपकाओ।
- भीगे हुए पतले ब्रश से पत्ती पर वेन्स बनाओ और साथ ही पत्तियों की डिटेल उस पर ड्रॉ करो।
- ऐसा तुम कई पत्तियों के साथ कर सकते हो।

कैसे बनते हैं स्नोफ्लैक्स?

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो..सफेद। इन्हें कहते हैं स्नोफ्लेक्स।

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो।सफेद। इस बीच कहीं-कहीं कुदरत की ऐसी कलाकारी नजर आती है कि उसे कैमरे में कैद किए बिना नहीं रहा जा सकता। ये हैं स्नोफ्लेक्स या बर्फ की पपड़ी। स्नोफ्लैक्स की सबसे अनोखी बात ये है कि इनमें से किसी का भी आकार एक-दूसरे से मेल नहीं खाता है। हरेक आकृति यूनिक होती है। इनको देखकर ऐसा जान पड़ता है कि किसी ने क्रिस्टल के जरिए सुंदर आकृति तैयार की है लेकिन ये तो प्रकृति की कारीगरी है। इनके यूनीक शेप के कारण ही दुनियाभर के फोटोग्राफर्स बेस्ट स्नोफ्लैक्स की तस्वीरें लेने की तैयारी में रहते हैं।

कुदरत की कारीगरी

स्नोफ्लैक्स बनने की शुरुआत छोटे-छोटे डस्ट पार्टिकल्स या पॉलेन पार्टिकल्स के वॉटर वेपर के संपर्क में आने से होती है। ये वॉटर वेपर इन पार्टिकल्स के ऊपर इकठ्ठी हो जाती हैं और जब ठंडे वातावरण में ये जमती हैं तो छोटे-छोटे आइस क्रिस्टल जैसे नजर आने लगते हैं। ये छोटे-छोटे क्रिस्टल सीड्स की तरह होते हैं जिनसे स्नोफ्लैक्स का जन्म होता है। तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि ये छोटे आइस क्रिस्टल नेचुरली अरेंज होकर हेक्सागोनल यानी सिक्स साइडेड स्ट्रक्चर बना लेते हैं। इस तरह के सिक्स साइडेड आइस क्रिस्टल ही 'स्नोफ्लैक्स'' कहलाते हैं। चूंकि स्नोफ्लैक्स के आस-पास की हवा से ये अधिक वजनदार होते हैं इसलिए कुछ समय में अपने-आप गिरना भी शुरू हो जाते हैं।

हर स्नोफ्लै है डिफरेंट

यूं सारे स्नोफ्लैक्स हेक्सागॉनल होते हैं लेकिन इनकी जियोमैट्री अलग-अलग होती है। डिफरेंट टेम्परेचर और हृयूमिड कंडीशन से होकर जब स्नोफ्लैक्स नीचे गिरते हैं तो उनके शेप भी डिफरेंट हो जाते हैं। किसी में नुकीले आर्म्स निकले रहते हैं तो किसी में बहुत ही चौड़े। स्नोफ्लैक्स का निर्माण पृथ्वी पर काफी ऊंचाई पर होता है इसलिए जमीन पर इसका स्नो के रूप में नीचे गिरना हर बार हो ऐसा नहीं है। यह तभी हो सकता है जब हवा का टेम्परेचर फ्रीजिंग से कम हो।

केक की टॉपिंग पर स्नोफ्लैक्स

स्नोफ्लैक्स के अलग-अलग मजेदार शेप्स के कारण कई पार्टीज का इसे हिस्सा बनाया जा रहा है, वो भी केक को सजाने के लिए। अब तो स्नोफ्लैक्स के शेप को आर्टिफिशियल रूप से तैयार किया जाने लगा है। लोग अपनी पसंद के अनुसार डिफरेंट शेप वाले स्नोफ्लैक्स से भरी बोटल खरीदते हैं और केक को और भी मजेदार ढंग से प्रेजेंट करते हैं।

तीन सेर चावल

पुराने जमाने की बात है। किसी गांव में मोहन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत शैतान था। हर दिन उसकी शिकायतें उसके माता-पिता को सुनने को मिलतीं।

पिता ने मोहन को विद्यालय भेज दिया, लेकिन उसकी शरारतों से शिक्षक भी बहुत दुखी हो गए। उस पर अपने शिक्षक की बातों का भी कोई असर नहीं होता था।

मोहन कई बार बच्चों की सीट के नीचे चींटियां छोड़ देता, जिससे वे ठीक से पढ़ न पाते। बच्चे उसके डर से उसकी शरारतों के बारे में अपने शिक्षकों से भी शिकायत न करते। एक दिन तंग आकर मास्टरजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया।

उस जमाने में जंगल अधिक थे। चारों ओर पेड़-पौधों की भरमार थी। अब मोहन जंगल में जाकर पेड़-पौधों का ध्यान करता, पानी देकर सींचता। घर में उसका मन नहीं लगता था। उसकी चिंता में मां परेशान रहतीं।

मोहन के गांव में एक बूढ़ा आदमी भीख मांगने आता था। वह उसे भी बहुत तंग करता। कभी उसका थैला छीनकर उसमें रखी रोटी निकालकर जानवरों को खिला देता, तो कभी बूढ़े पर पानी डाल देता। लेकिन बूढ़ा उसके गांव में जरूर आता। लोग उससे पूछते कि इतना तंग होने के बाद भी वह इस गांव में भीख मांगने क्यों आता है? वह सबको एक ही उत्तर देता, मोहन बच्चा है। बच्चे शरारत नहीं करेंगे, तो क्या हम बड़े लोग करेंगे? उसकी बात सुनकर लोग चुप हो जाते।

इस प्रकार कई महीने बीत गए। एक दिन मोहन किसी गांव से आ रहा था। उसे घर पहुंचने की जल्दी थी। किसी किसान ने अपनी फसल की रक्षा के लिए नागफनी की बाड़ लगा रखी थी। रास्ते में नागफनी के कांटे गिरे हुए थे। उसकी नजर उन कांटों पर पड़ी। उसने सोचा कि वह एक-दो नागफनियों को लेकर रास्ते पर डाल दे, तो बड़ा मजा आएगा। उसने दो नागफनियों को उठा लिया और उन्हें घास के नीचे छिपा दिया। फिर घर चला आया।

दो-तीन दिन बीत गए। आज वह स्वयं उसी रास्ते से जा रहा था। उसी रास्ते से बूढ़ा भिखारी भी आ रहा था। मोहन को शरारत सूझी। उसने कहा, जरा थैला दिखाना। भिखारी ने उसे थैला दे दिया। उसमें एक फटी धोती थी। दो रोटियां भी थीं। वह थैले को लेकर उछालने लगा कि अब वह थैला नहीं देगा।

भिखारी उसके करीब आता, तो वह दौड़ कर थोड़ी दूर भाग जाता।

इसी भाग-दौड़ में अचानक सूखी नागफनी पर मोहन का पांव पड़ गया। उसके पूरे तलवे में कांटे चुभ गए। वह अचानक एक ओर लुढ़क गया। थैला उसके हाथ से छूट गया। भिखारी मोहन के पास आया। वहां उसने अपनी लाठी से घास हटाई, तो उसे एक और नागफनी नजर आई। उसने उसे भी डंडे से दूर हटा दिया और मोहन के पास बैठकर पांव से कांटे निकालने लगा।

भिखारी ने मोहन के पांव से काफी कांटे निकाल दिए। फिर भी कुछ कांटे उसके पांव में चुभे ही रह गए। भिखारी ने उसे सहारा देकर खड़ा किया। मोहन ने कहा, मैं घर नहीं जाऊंगा। छाया में बैठकर तलवे के सारे कांटे निकालूंगा, तब घर लौटूंगा।

भिखारी ने कहा, यदि तुम मेरी झोंपड़ी तक चलो, तो मैं तलवे के सारे कांटे निकाल दूंगा। ऐसा लेप लगा दूंगा कि तुम्हारा पांव जल्दी ठीक हो जाएगा। मोहन तैयार हो गया। भिखारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर, झोंपड़ी तक ले आया। फर्श पर एक फटी-पुरानी दरी और कंबल का टुकड़ा बिछा हुआ था। उसी पर उसने मोहन को लिटाया। पानी गरम कर उसका पांव धोया। फिर कांटे निकालकर पैर पर जड़ी-बूटी का लेप कर दिया। मोहन को लेप से बहुत राहत मिली और वह सो गया।

भिखारी ने अपने थैले से भीख में मिले चावल निकाले और खिचड़ी बनाई। फिर गांव जाकर दूध ले आया। उसने मोहन को खिचड़ी खिलाकर पीने के लिए दूध गरम करके दिया। मोहन को अब उस भिखारी को बुड्ढा कहने में शर्म आई। उसने भिखारी को 'दादा' कहकर पुकारा। दादा शब्द सुनकर भिखारी की आंखों से आंसू झरने लगे। मोहन ने चकित होकर पूछा, तुम रो क्यों रहे हो?

नहीं बेटा, कोई बात नहीं है। मैं तीस वर्षों से यहां अकेला पड़ा हूं। तुमने मुझे दादा कहा, तो मेरा दिल भर आया। भिखारी बोला।

नहीं दादा, अब तुम्हें भीख मांगने की जरूरत नहीं होगी। मैं तुम्हें खिलाऊंगा। मोहन बोला।

भिखारी हंसकर चुप हो गया। शाम होने जा रही थी। भिखारी ने उसके पांव का लेप गरम पानी से धो दिया। अब उसके पांव में एक भी कांटा नहीं था। इसके बाद भिखारी उसे गांव तक छोड़ने आया। मोहन दौड़कर घर गया और रोटी तथा सब्जी लेकर आया। कहा, दादा, इसे रात में खाना। मैं कल सुबह आऊंगा।

भिखारी घर लौट आया। वह सोच रहा था कि मोहन कितना अच्छा लड़का है।

मोहन दूसरे दिन उठा और एक किसान से बोला, यदि आपको मजदूर की जरूरत हो, तो मैं काम करने के लिए तैयार हूं। किसान को एक मजदूर की जरूरत तो थी, मगर वह मोहन को एक शरारती बच्चे के रूप में जानता था। वह मोहन से बोला, तुम्हें शरारत से फुरसत मिलेगी, तभी तो काम करोगे। मुझसे आज काम लेकर देखो चाचा, तब पता चलेगा।

ठीक है, चलो काम करो। किसान बोला।

मोहन ने दिन भर मेहनत से काम किया। बदले हुए मोहन को देखकर किसान बहुत चकित था। उसने मोहन को तीन सेर चावल मजदूरी में दिए।

मोहन चावल लेकर भिखारी की झोंपड़ी में जा पहुंचा। भिखारी खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। उसने जब चावल देखे, तो बोला, मोहन बेटा! ये ले जाकर अपनी मां को दो। मेरा गुजारा तो भगवान चला ही रहा है।

नहीं दादा! ये चावल तुम रखो। ये मैंने दिन भर मजदूरी करके कमाए हैं। तुम नहीं रखोगे, तो मैं कल से मजदूरी नहीं करूंगा और शरारतें करने लगूंगा।

उस दिन से मोहन बहुत बदल गया। अब वह हर एक की मदद करने की कोशिश करता। गांव के सब लोग उसकी खूब तारीफ करते।

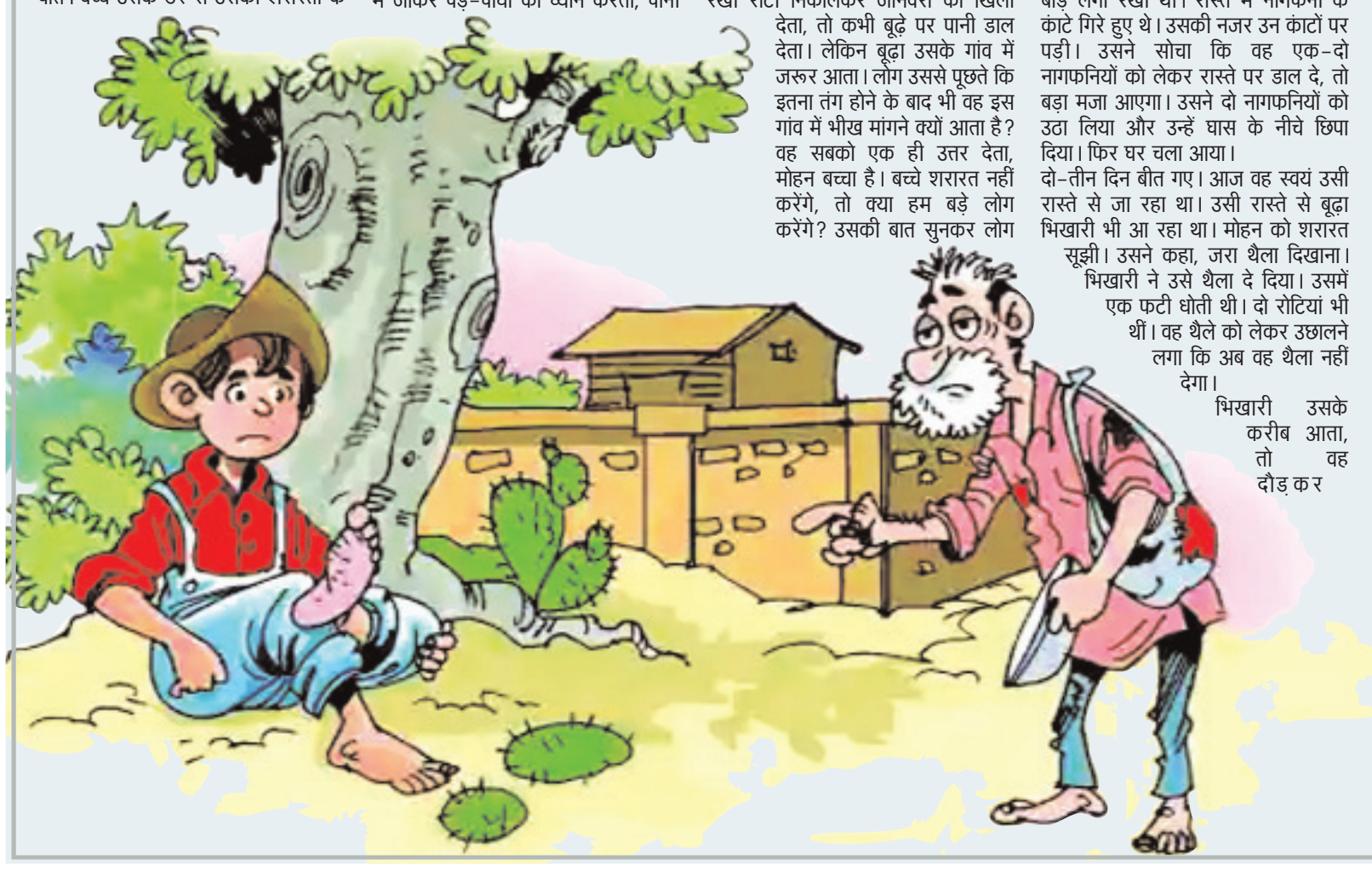

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंफाल में जबरन वसूली करने वाले दो उग्रवादियों समेत छह गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। इंफाल के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में सुरक्षाबलों ने जबरन वसूली में शामिल दो उग्रवादियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के तेलीपती क्षेत्र में दुकानों और लोगों से जबरन वसूली करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के हुइकाप माखा लेइकाई से गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक उग्रवादी को बुधवार को इंफाल पश्चिमी जिले के मोइदांगपोक मानिंग से गिरफ्तार किया गया था, जो आम लोगों से जबरन वसूली और महिलाओं के साथ अपराध के मामलों को डरा-धमकाकर निपटाने में शामिल था। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को काकचिंग जिले के लुसी पाट चिंगखोक क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक इंसास राइफल, एक सिंगल बैरल राइफल और स्थानीय रूप से निर्मित एक पिस्तौल बरामद की है। इसने बताया कि विभिन्न प्रकार के 60 से ज्यादा कारतूस, दो विस्फोटक पैकेट और दो डेटोनेटर भी बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिमी जिले के लांगोल उसोई माखोंग में सुरक्षाबलों ने हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है।

लापता मछुआरे का शव एक सप्ताह बाद समुद्री तट पर मिला

बालासोर (एजेंसी)। समुद्र में लापता हुए ओडिशा के चार मछुआरों में से एक का शव एक सप्ताह बाद बालासोर जिले में समुद्री तट से बरामद हुआ है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक गोपाल गिरि (60), उनके बेटे मधुसूदन (35) और रवींद्र (38) व उनके रिश्तेदार जगन्नाथ पाल (23) 2 अगस्त को समुद्र में मछली पकड़ने गए थे और लापता हो गए थे। इनमें से दो को बचा लिया गया था। तलसारी समुद्री थाने की प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि गोपाल गिरि का शव शुक्रवार को भोगराई प्रखंड में उदयपुर के पास समुद्र तट से बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक इससे पहले जगन्नाथ और मधुसूदन को पड़ोसी पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में दीघा तट के पास से बचा लिया गया था, जबकि रवींद्र गिरि का शव उदयपुर के पास समुद्र तट से बरामद हुआ था।

दिल्ली के जैतपुर में मकान की दीवार गिरने से 7 लोगों की मौत.... महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में तेज बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। एक मकान की दीवार गिरने से कई लोग मलबे में दब गए। हादसे में कुल 8 लोग घायल हुए, जिसमें से 7 की मौत हुई है, जबकि एक व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद स्थानीय लोगों और रेस्क्यू टीम ने मिलकर तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। मलबे में दबे लोगों को निकालने के दौरान चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने बिना समय गंवाए हाथों से मलबा हटाकर फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। हादसे के वक्त ज्यादातर लोग घर के अंदर मौजूद थे। हादसे में घायल हुए 5 लोगों को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 3 अन्य घायलों को एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया, जहां सभी की मौत हो गई। एक अन्य घायल व्यक्ति, हाशिबुल, अभी भी सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत गंभीर है। मृतकों में महिलाएं, पुरुष और मासूम बच्चियां भी शामिल है। मृतकों में शबीबुल (30 वर्ष), रबीबुल (30 वर्ष), मुत्तु अली (45 वर्ष), रुबीना (25 वर्ष), डॉली (25 वर्ष), रुखसाना (6 वर्ष), हसीना (7 वर्ष) शामिल है। घटना के चश्मदीद और स्थानीय निवासी ने बताया कि जैसे ही हादसा हुआ, लोग बिना देर किए मदद के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने कहा, 'यह हादसा बेहद दर्दनाक था। मलबे से लोगों को निकालने के दौरान स्थिति भयावह थी और ज्यादातर लोग पहले से ही गंभीर रूप से घायल हो चुके थे।' हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।

पाकिस्तान में 10 में 6 नागरिकों को नहीं मिल रहा पौष्टिक खाना... कंगाल देश की सच्चाई

सूची में भारत स्थिति में हुआ सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताज़ा रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया और पड़ोसी देशों में पौष्टिक आहार की पहुंच को लेकर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 60 प्रतिशत जनता साल 2024 में पौष्टिक और स्वस्थ आहार का खर्च वहन करने में असमर्थ रही। यह न केवल देश की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाता है, बल्कि कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के गहराने की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां आर्थिक कठिनाइयों और बढ़ती महंगाई के कारण अधिकतर लोग पौष्टिक खाना पान का खर्च नहीं उठा पा रहे हैं। 2024 में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ोतरी दिखाता है। इसका मतलब है कि हर 10 में से 6 पाकिस्तानी नागरिकों की थाली में पर्याप्त पोषण नहीं पहुंच रहा। पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश का नाम आता है, जहां 2024 में 44.4 प्रतिशत जनता पौष्टिक आहार तक पहुंच बनाने में असमर्थ रही। हालांकि, बांग्लादेश ने 2017 की तुलना में उल्लेखनीय सुधार किया है। सात साल पहले यहां 65.7 प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार नहीं खरीद पाते थे, लेकिन सरकारी नीतियों, आर्थिक सुधारों और खाद्य वितरण कार्यक्रमों के चलते इसमें कमी आई है।

फिलीपींस, श्रीलंका और भारत की स्थिति

फिलीपींस में 44 प्रतिशत और श्रीलंका में 42.9 प्रतिशत लोग पौष्टिक आहार से वंचित हैं। वहीं, भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर हुई है। 2017 में जहां 59.2 प्रतिशत भारतीय पौष्टिक आहार नहीं खरीद पाते थे, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर 40 प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद, अभी भी हर 10 में से 4 भारतीय स्वस्थ आहार के खर्च को वहन करने में असमर्थ हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वाले सुन लें... 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया

भारतीय वायु सेना का दावा, एस-40 मिसाइल सिस्टम गेंम चेंजर साबित हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) प्रमुख एयर चीफ मार्शल (एसीएम) एपी सिंह ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारत के एस-40 मिसाइल सिस्टम ने हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 5 पाकिस्तानी वायु सेना (पीएफए) के लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। इसके अलावा, एक एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस (एईडब्ल्यू एंडसी/ईएलआईएनटी) विमान को भी 300 किलोमीटर की दूरी से नष्ट किया। साथ ही, उन्होंने बताया कि जेकबाबाद में खड़े कु एफ-16 विमानों और भोलारी एयर बेस पर एक एईडब्ल्यू एंड सी को विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर नष्ट किया।

एसीएम सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपनी हवाई रक्षा को मजबूत करने के लिए एस-400 का इस्तेमाल किया। यह रूस से खरीदा गया एक उन्नत सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है, जो 400 किलोमीटर तक के लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है। जो कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के लिए गेंम चेंजर साबित हुआ। इस ऑपरेशन में एस-400 ने शानदार प्रदर्शन कर 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक एईडब्ल्यू एंडसी/ईएलआईएनटी विमान को 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया, जो सिस्टम की रेंज और सटीकता को दिखाता है। एईडब्ल्यू एंड सी विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया जानकारी जुटाने में इस्तेमाल होता है। इसलिए इसका नष्ट होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका हो सकता है। वायुसेना प्रमुख ने दावा किया कि जेकबाबाद एयर बेस पर खड़े कुछ एफ-16 लड़ाकू विमानों को नष्ट किया गया। ये विमान पार्किंग में थे, लेकिन सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना ने उन पर हमला किया। इस तरह, भोलारी एयर बेस पर एक और एईडब्ल्यू एंड सी विमान को निशाना बनाया गया। ये हमले दिखाते हैं कि भारत के पास दुश्मन की गतिविधियों की सटीक जानकारी थी। उसका इस्तेमाल सही समय पर किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई छोटी लेकिन तीव्र सैन्य मुठभेड़ का हिस्सा था। इस दौरान भारत ने अपनी हवाई श्रेष्ठता साबित करने के लिए कई कदम उठाए। एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे हथियारों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया। यह ऑपरेशन भारत की हवाई रक्षा और सटीक हमले की क्षमता को दुनिया के सामने लाया है।

सैफ अली खान परिवार को सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत, हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

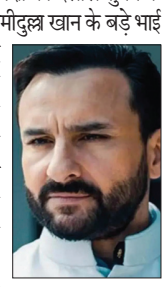

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्षस्थ न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के पूर्वजों से जुड़े संपत्ति विवाद में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्लाह खान की शाही संपत्ति से जुड़े दशकों पुराने संपत्ति विवाद को नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया था। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। बेंच ने नवाब हमीदुल्ला खान के बड़े भाई के वंशजों उमर फारुक अली और राशिद अली की याचिका पर नोटिस जारी किया, जो हाईकोर्ट के 30 जून के आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें 14 फरवरी, 2000 के निचली अदालत के फैसले को खारिज कर दिया गया था, जिसमें नवाब की बेटी साजिदा सुल्तान, उनके बेटे मंसूर अली खान (पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान) और उनके कानूनी उत्तराधिकारियों, अभिनेता सैफ अली खान, सोहा अली खान, सबा सुल्तान और अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के संपत्ति पर विशेष अधिकार बरकरार रखे गए थे। हाईकोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत का फैसला 1997 के इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले पर आधारित था, जिसे बाद में 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया था। हालांकि, 2019 के उदाहरण को लागू करने और मामले का निर्णायक रूप से फैसला करने के बजाय, हाईकोर्ट ने मामले को पुनर्मूल्यांकन के लिए वापस भेज दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश दीवानी प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के तहत उल्लिखित प्रक्रियात्मक मानदंडों के विपरीत है।

राहुल के आरोप झूठ का पुलिंदा, जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट दिया: भाजपा

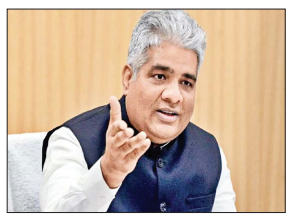

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों को झूठ का पुलिंदा करार दिया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि राहुल जिस डाल पर बैठे थे, उसी को काट दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग (ईसी) जैसे संवैधानिक संस्थान को धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया, जो विपक्ष के नेता के पद की गरिमा के खिलाफ है। यादव ने कहा कि अगर राहुल को वाकई आपत्ति है, तो उन्हें मीडिया में आरोप लगाने की बजाय चुनाव आयोग के सामने शपथपत्र देकर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

भूपेंद्र यादव ने बताया कि राहुल गांधी ने दावा किया था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में एक करोड़ नए वोटर जुड़े, लेकिन चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार यह संख्या 40 लाख से थोड़ी अधिक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपने आरोपों की जो बुनियाद बनाई, वह ही गलत साबित हो गई। यादव ने कहा कि महाराष्ट्र की कई सीटों जैसे मढ़ा, मोहोल, नागपुर वेस्ट और नागपुर नॉर्थ में वोटर की संख्या बढ़ी और वहां कांग्रेस या उसकी सहयोगी पार्टियां ही जीतीं। ऐसे में धांधली का आरोप खुद उनके ही दावे को गलत साबित करता है। यादव ने तंज कसते हुए कहा कि यह तो वही बात हो गई जैसे कोई आदमी जिस डाल पर बैठा हो, उसी को काट दे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सिर्फ एक परिवार के लिए संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब करने में लगी है, चाहे वो चुनाव आयोग हो, संसद हो या सेना।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को पहले सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी थी क्योंकि उन्होंने सेना को लेकर भी गलत बयान दिए थे। अंत में भूपेंद्र यादव ने कहा कि जो लोग संविधान का सम्मान करते हैं, उन्हें संवैधानिक संस्थानों के खिलाफ धमकी भरी भाषा नहीं अपनानी चाहिए।

रिश्तों में बढ़ेगी तल्खी: किसी भी हाल में ट्रंप के टैरिफ के आगे नहीं झुकेगा भारत

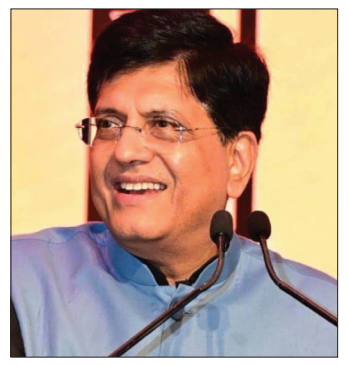

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में भारत की आर्थिक मजबूती पर भरोसा जताते हुए कहा कि वैश्विक व्यापार मार्गों और साझेदारियों में बदलाव के बीच भारत अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है। गोयल ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गतिशील प्रकृति पर प्रकाश डाला और कहा कि दुनिया निरंतर विकसित हो रही है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नया रास्ता तलाश रहा है।

गोयल ने भरोसा जताया कि भारत विजेता के रूप में उभरेगा। ट्रम्प के भारत को डेड इकोनॉमी बताने वाले बयान का जवाब देते हुए गोयल ने तंज कसते हुए कहा कि समझने वाले समझ गए, जो न समझे वो अनाड़ी हैं। गोयल ने भारत की मजबूत आर्थिक नींव पर जोर दिया और कहा कि पूरी दुनिया भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देख रही है। पूरी दुनिया भारत की ताकत, हमारी डेमोग्राफिक ताकत और 1.4 अरब महत्वाकांक्षी भारतीयों की मांग को पहचान रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत एक विशाल बाजार है। उन्होंने सवाल किया कि आपको क्यों लगता है कि देश हमारे साथ व्यापार या बेहतर बाजार पहुंच के लिए कतार में हैं? यह भारत की बढ़ती वैश्विक निवेश और व्यापार साझेदारी की अपील को दर्शाता है। ट्रम्प के शुल्क से कपड़ा, दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में निर्यातकों के बीच चिंता है, जो अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं। गोयल ने वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को एक स्वाभाविक उथल-पुथल बताया, जहां कुछ देश उभरते हैं और कुछ पीछे रह जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह भारत का समय है और भारत को वैश्विक बाजारों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरते हुए देखा जा रहा है। मंत्री ने भविष्यवाणी की कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का निर्यात पिछले वर्ष के रिकॉर्ड 825 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा, जिसमें 437 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वस्तु निर्यात शामिल थे। ये वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद स्थिर रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रस्तावित 50 फीसदी शुल्क के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने निश्चिंतता जताई। उन्होंने कहा कि भारत संकट में अवसर तलाशता है। राष्ट्र का मनोबल ऊंचा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत ताकत है।

नीतीश पर चिराग के बयान से नाखुश बीजेपी, बंद कमरे में होगी बैठक

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे से पहले एनडीए (एनडीए) गठबंधन में तनाव बढ़ गया है। बीजेपी, एलजेपी (एलजेपी) प्रमुख चिराग पासवान के हाल ही में दिए गए बयानों से नाराज़ है, जिसमें उन्होंने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर नीतीश कुमार सरकार की आलोचना की थी। बीजेपी का मानना है कि चिराग के ये बयान गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचा रहे हैं और महागठबंधन के खिलाफ लड़ाई को कमजोर कर रहे हैं। इस लेकर बीजेपी के सीनियर नेता सक्रिय मोड में आ चुके है। बीजेपी जल्द ही चिराग पासवान के साथ एक बंद कमरे में मीटिंग करेगी। इस मीटिंग में उन्हें यह साफ़ संदेश दिया जाएगा कि गठबंधन की एकता बनाए रखें और नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। इतना ही नहीं बीजेपी बार-बार यह दोहरा चुकी है कि बिहार में एनडीए का चेहरा नीतीश कुमार हैं, और चुनाव उन्हीं के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। बात दें कि चिराग पासवान का यह रवैया नया नहीं है, वह पहले भी कड़े तेवर दिखा चुके हैं। बीजेपी ने पहले भी उन्हें संयम बरतने की सलाह दी थी। एनडीए ने सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद फाइनल होगा। कुछ लोगों का मानना है कि चिराग नीतीश की आलोचना करके पासवान वोटों को एकजुट रखने की कोशिश कर रहे हैं। राम विलास पासवान के समय से ही एलजेपी और जेडीयू के बीच रिश्ते सहज नहीं रहे हैं।

खतरे के निशान के करीब पहुंचा युमना का जलस्तर... दिल्ली में बाढ़ की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यमुना नदी का जलस्तर शनिवार सुबह 9 बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर 204.40 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान 204.50 मीटर से बस थोड़ा ही नीचे है। दिल्ली प्रशासन ने इस बात को गंभीरता से लेकर सभी संबंधित विभागों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कह दिया हैं। दरअसल केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने बताया, यमुना का जलस्तर बढ़ने का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी का छोड़ा जाना है। इसके अलावा, हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश ने भी नदी के जलस्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इसकारण यमुना में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जो कि आने वाले दिनों में बाढ़ का कारण बन सकता है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक, वजीराबाद बैराज से हर घंटे करीब 30,800 क्यूसेक और हथिनीकुंड बैराज से 25,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे का समय लेता है। ऊपरी क्षेत्रों से कम मात्रा में पानी छोड़े जाने के बावजूद, दिल्ली में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।

क्या है खतरे का निशान?

दिल्ली में यमुना के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.30 मीटर पर है। यदि जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचता है, तब शहर में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ओल्ड रेलवे ब्रिज यमुना के प्रवाह और बाढ़ के जोखिम को मापने का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। वहीं दिल्ली सरकार ने बाढ़ की आशंका को देखकर सभी जरूरी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। संबंधित एजेंसियों को नदी के किनारे बसे इलाकों में नजर रखने और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। दिल्लीवासियों से भी अपील की गई है कि वे नदी के आसपास सावधानी बरतें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया है कि 2024-25 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है। यह पिछले साल के 1.27 लाख करोड़ से 18 प्रतिशत ज्यादा है, और 2019-20 के 79,071 करोड़ की तुलना में 90 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी है। इस कुल उत्पादन में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) का योगदान लगभग 77 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत रहा। पिछले साल की तुलना में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 21 से बढ़कर 23 प्रतिशत हो गई है, जो दिखाता है कि देश के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इस उपलब्धि का श्रेय केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान और रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की नीतियों को दिया जा रहा है। मोदी सरकार का मुख्य लक्ष्य आयात पर निर्भरता को कम करना और भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों ने इस साल क्रमशः 16 और 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यह रिकॉर्ड वृद्धि दर्शाती है कि भारत का रक्षा उद्योग लगातार मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में और भी तेजी से आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

भारत सही मायने में विश्व गुरु तब बनेगा जब देश अध्यात्म की और बढ़ेगा: भागवत

दुनिया में कई देश अमीर पर उनके पास अध्यात्म और धर्म नहीं जो हमारे पास है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया में भारत के विश्व गुरु कहे जाने को लेकर कहा कि विश्व भारत को उसके अध्यात्म के लिए महत्व देता है और इस क्षेत्र में देश को विश्व गुरु मानता है, बजाय इसके कि वह इस बात से आश्चर्यचकित हो कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है। एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि सभी के साथ अच्छाई बांटने और दूसरों के लिए जीने भी भावना ही भारत को सचमुच में महान बनाती है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगर हम 3000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन भी जाएं तो दुनिया को इससे कोई आश्चर्य नहीं होगा, क्योंकि कई देश हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। अमेरिका अमीर है, चीन अमीर हो गया है और कई अमीर देश हैं। कई चीजें ऐसी हैं जो अन्य देशों ने की हैं और हम भी करेंगे, लेकिन दुनिया में अध्यात्म और धर्म नहीं है जो हमारे पास है।

संघ प्रमुख ने कहा कि अर्थ (धन) भी महत्वपूर्ण है इसके साथ ही सभी क्षेत्रों में प्रगति भी जरूरी है, लेकिन भारत सही मायने में विश्व गुरु तब माना जाएगा जब देश अध्यात्म की और आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अध्यात्म और धर्म में यह वृद्धि तब होगी जब हम न केवल त्योहार मनाएंगे और अपनी पूजा पद्धति से काम करेंगे, बल्कि हमारा जीवन भी भगवान शिव की तरह इतना निर्भय हो जाएगा कि हम अपने गले में सांप भी धारण कर सकें। हमारे पास जो गुण, शक्ति और बुद्धि है उसका उपयोग दूसरों के लाभ के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे अंदर जो भी अच्छाई है, उसे हमें सबके साथ बांटना चाहिए। बुराई कुछ हद तक मौजूद है, लेकिन उसे रोका जाना चाहिए और उसे फैलने नहीं देना चाहिए। हमें नकारात्मकता को कभी दूसरों को नहीं देना चाहिए। बल्कि उसे अपने भीतर समेटकर उसे खत्म करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर अच्छाई बांटनी चाहिए। हमें इसी तरह जीना चाहिए ज्यादा से ज्यादा लोग हमसे जुड़ें। अच्छाई बांटने और दूसरों के लिए जीने की यही भावना भारत को सचमुच महान बनाती है।

उत्तराखंड में 2015 से 2024 तक 4654 लैंडस्लाइड, 92 एवलांच, 67 बार फटे बादल

-मानसूनी बारिश में हर पल मंडराता है संकट, स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण

देहरादून (एजेंसी)। हिमालयी राज्यों में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। आए दिन भूस्खलन, बादल फटना, एवलांच, बिजली गिरना, आंधी तूफान जैसे घटनाएं होती हैं। बीते कुछ सालों से उत्तराखंड भी ऐसी ही आपदाओं से जूझ रहा है। भले ही उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता हो लेकिन यहां स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। मानसूनी बारिश में हर पल यहां संकट मंडराता रहता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटनाओं के आंकड़ों को आपदा प्रबंधन विभाग तैयार करता है। विभाग के 2015 से लेकर 2024 तक के आंकड़ों को देखें तो पूरे प्रदेश में इन सालों में तकरीबन 4654 भूस्खलन, एवलांच की 92, बिजली गिरने की 259, बादल फटने की 67, तेज़बारिश और बाढ़ की तकरीबन 12758 घटनाएं हुई हैं। इन आकड़ों से पता चलता है कि उत्तराखंड आपदा ग्रसित राज्य है। यही नहीं बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं 13 जिलों में से पौड़ी में सबसे ज्यादा हुई हैं।

वहीं उत्तरकाशी में 2015 से लेकर 2024 तक तकरीबन 1525 घटनाएं हुई, जिसमें लैंडस्लाइड से लेकर बाढ़, एवलांच, ओलावृष्टि, बादल फटना, जंगल में आग की घटनाएं भी शामिल हैं। आंकड़ों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तराखंड में 2015-2024 के दशक में प्राकृतिक आपदाओं से कुल मिलाकर करीब 1100 लोगों की मौत हुई है। इसमें भूस्खलन सबसे बड़ा कारक है, जबकि बाढ़ और अतिवृष्टि और बादल फटना अन्य प्रमुख कारण हैं। सिर्फ लैंडस्लाइड से तकरीबन 319 लोगों ने अपनी जान गंवाई।

पौड़ी जिले के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा भूस्खलन और बादल फटने जैसी घटनाओं हुई हैं। बीते 10 सालों के आंकड़ों को देखें तो पौड़ी में सिर्फ भूस्खलन की तकरीबन 2040 घटनाएं हुई। पिथौरागढ़ में 1426, टिहरी में 279, चमोली में 258 और चंपावत 173, उत्तरकाशी में 80, रुद्रप्रयाग में 48, अल्मोड़ा में 30 घटनाएं दर्ज हुईं। बता दें हर साल ये सिलसिला यूं ही चलता रहता है। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने कहा कि नेचुरल डिजास्टर के इम्पैक्ट को कम करने के लिए काम किया जा रहा है। जहां-जहां अक्सर भूस्खलन की समस्याएं आती हैं, वहां इसे रोकने के लिए काम ट्रीटमेंट किया जा रहा है। इसके अलावा, विभाग द्वारा इन सभी प्राकृतिक आपदाओं पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है, जिसकी मदद से उनका अध्ययन किया जाता है। बता दें 5 अगस्त को उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल में आई आपदा ने लोगों को झकझोर दिया है। पानी के साथ आए मलबे से बचने के लिए लोगों इधर-उधर भागते नज़र आए, जिनकी वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पोलियो का एक और मामला सामने आया, कुल संख्या 19 हुई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में पांच महीने के एक बच्चे में पोलियो वायरस की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही 2025 तक पोलियो के कुल मामलों की संख्या 19 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), इस्लामाबाद ने बुधवार को पुष्टि की कि यह नया संक्रमण खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो का 12वां मामला है। एनआईएच ने बताया कि पांच महीने का यह बच्चा लक्की मरवात जिले के गजनी खेल तहसील के सुलेमान खेल यूनियन काउंसिल का निवासी है। बुधवार को उसका पोलियो वायरस परीक्षण पॉजिटिव आया था। यह भी पता चला कि बच्चे को नियमित पोलियो टीकाकरण नहीं मिला था और उसे केवल एक अतिरिक्त खुराक दी गई थी। 2025 में लक्की मरवत जिले में पोलियो का यह तीसरा मामला दर्ज किया गया है, जबकि 2024 में दो मामले सामने आए थे। अन्य मामलों में से पांच सिंध प्रांत से हैं और पंजाब तथा गिलगित-बाल्टिस्तान से एक-एक मामला सामने आया है।

ईपीए ने बंद किया सात अरब डॉलर का अनुदान कार्यक्रम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने बृहस्पतिवार को 7 अरब डॉलर का एक अनुदान कार्यक्रम बंद कर दिया। इस कार्यक्रम का मकसद 9 लाख से ज्यादा कम आय वाले अमेरिकी परिवार के घरों पर सोलर पैनल लगवाना और उसका खर्चा उठाने में मदद करना था। यह कदम ट्रंप प्रशासन ओर से लिया गया है। माना जा रहा है कि इससे देश में स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया धीमी होगी। यह पैसा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के सबके लिए सौर कार्यक्रम का हिस्सा था। इसे 60 अलग-अलग समूहों- जैसे राज्य सरकारों, जनजातीय संगठनों और क्षेत्रों को दिया जाना था, ताकि वे घरों की छत पर सौर पैनल और सामुदायिक सौर पार्क जैसी परियोजनाएं शुरू कर सकें।

फेडरल रिजर्व बोर्ड में आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को नामित करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह फेडरल रिजर्व के गवर्नर बोर्ड में चार महीने के लिए एक शीर्ष आर्थिक सलाहकार को नामित करेंगे। यह नियुक्ति अस्थायी रूप से रिक्त पद को भरने के लिए की जाएगी। बाद में इस पद के लिए लंबे समय के लिए किसी को चुना जाएगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष स्टीफन मिरान को गवर्नर एड्रियाना कुगलर द्वारा खाली की गई सीट पर नियुक्त किया है। एड्रियाना कुगलर, जिन्हें बाइडन ने नियुक्त किया था, शुक्रवार को पद छोड़ रही हैं। यदि सीनेट द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो मिरान 31 जनवरी, 2026 तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे।

पेंसिल्वेनिया में पुलिस कर्मियों पर हमला करने वाले संदिग्ध की मौत

हैरिसबर्ग, एजेंसी। पेंसिल्वेनिया के थॉम्पसन इलाके में बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे दो पुलिस कर्मियों पर हमला करने वाले संदिग्ध की मौत हो गई। वहीं, घायल पुलिस कर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत अभी स्थिर है। राज्य पुलिस प्रमुख क्रिस्टोफर पेरिस ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मी एक व्यक्ति की खैरियत लेने गए थे। वहां पहुंचते ही उन पर गोली चला दी गई। एक पुलिसकर्मी ने मौके पर ही दूसरे की चोट पर पट्टी बांधी, और तीसरे पुलिसकर्मी ने उनकी मदद की। गवर्नर जोश शापिरो ने दोनों को नायक कहा और बताया कि पुलिसकर्मी जोसेफ पेरेचिंस्की की तेजी और समझदारी से कई लोगों की जान बची। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति राइफल से लैस था और आदेश मानने से इनकार कर रहा था। घटना के दौरान उसे गोली लगी और वह मारा गया। यह घटना थॉम्पसन नगर से लगभग 8 किलोमीटर और फिलाडेल्फिया से करीब 262 किलोमीटर दूर हुई। पुलिस प्रमुख ने कहा कि संदिग्ध की मौत हो चुकी है और आगे और जानकारी दी जाएगी।

उपराष्ट्रपति को बर्थडे पर आ सके रोमांचकारी मजा, सुरक्षाकर्मियों ने जबरन नदी में बढ़वा दिया पानी

ओहियो, एजेंसी। पिछले दिनों 2 अगस्त को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का जन्मदिन था। इस दिन को खास बनाने के लिए वह सपरिवार नौकायन पर निकले थे लेकिन जिस नदी में उन्हें रोमांचकारी नौकायन करना था, वहां जलस्तर कम था। इसलिए उनकी सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर ओहियो की नदी का जलस्तर बढ़वा दिया ताकि उपराष्ट्रपति वेंस और उनका परिवार उनके 41वें जन्मदिन पर बोटिंग का लुत्फ उठा सके।

मशहूर अमेरिकी अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जेडी वेंस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने सेना के इंजीनियरों को ओहियो की झील से निकलने वाली एक नदी के बहाव में असामान्य बदलाव करने को कहा था ताकि फैमिली टूर पर गए उपराष्ट्रपति वेंस के लिए नौका विहार भ्रमण की व्यवस्था की जा सके। अमेरिकी सेना के इंजीनियरों के कोर के एक बयान जारी कर कहा है कि अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने उनसे अनुरोध किया था कि लिटिल मियामी नदी के जलप्रवाह में वृद्धि की जाए, ताकि उपराष्ट्रपति के सुरक्षा दल उन्हें सुरक्षित नौकायन में सहायता कर सकें।

सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, जेडी वेंस को 2 अगस्त को, 41वें जन्मदिन पर दक्षिण-पश्चिमी ओहियो क्षेत्र में देखा गया था, जिसमें उन्हें लिटिल मियामी नदी में कैनोइंग करते देखा गया था। यह नदी सीजर क्रीक झील की एक सहायक नदी है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने गुरुवार को गार्जियन से गुमनाम रूप से संपर्क किया और आरोप लगाया कि सीजर क्रीक झील से अधिक पानी छोड़ने का अनुरोध न केवल उपराष्ट्रपति के सीक्रेट सर्विस दल की सहायता के लिए था, बल्कि अच्छी बोटिंग के लिए जल उपलब्धता की परिस्थितियाँ बनाने के लिए भी था।

उपराष्ट्रपति के इस कदम की आलोचना हो रही है। आलोचकों ने इसे अधिकारों का बेजा इस्तेमाल बताया है, खासकर तब जब ट्रम्प प्रशासन सरकारी खर्च में कटौती पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या वेंस का कार्यालय ऐसे समय में सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के संसाधनों का अपने निजी मनोरंजन के लिए इस्तेमाल कर रहा था, जब ट्रम्प प्रशासन ने अपने दक्षता अभियान के तहत विदेशी सहायता, वैज्ञानिक अनुसंधान और सरकारी नौकरियों में अरबों डॉलर की कटौती की है।

रिचर्ड डब्ल्यू. पेंटर, जिन्होंने राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में व्हाइट हाउस नैतिकता वकील के रूप में कार्य किया था, ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सेना के इंजीनियरों द्वारा करदाताओं के पैसे को नदी में पानी का प्रवाह बढ़ाने के लिए खर्च करना अपमानजनक है ताकि उपराष्ट्रपति कैनोइंग कर सकें, जबकि राष्ट्रीय उद्यान सेवा के बजट में कटौती ने बाकी सभी के लिए पारिवारिक छुट्टियों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। द गार्जियन ने मंगलवार को इस बदलाव के बारे में टिप्पणी के लिए सबसे पहले लुइसविले स्थित यूएसएसीई से संपर्क किया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त के शुरुआती दिनों में जब वेंस छुट्टियां मना रहे थे, तब नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि हुई थी और झील के जलस्तर में गिरावट आई थी।

धार्मिक वजहों से लोगों से भेदभाव नहीं कर पाएंगे अमेरिकी बैंक, ट्रम्प ने कानून पर दस्तखत किए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को एक आदेश पर हस्ताक्षर किया है। जिसके तहत बैंक किसी व्यक्ति को उसके राजनीतिक या धार्मिक विचारों के तहत उसे सर्विस देने से इनकार नहीं कर सकते हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, इस आदेश में उन बैंकों की जांच करने को कहा गया है, जिन्होंने गलत तरीके से ग्राहकों को सेवाएं देने से मना किया।

ऐसे बैंकों पर जुर्माना लगाया जा सकता है या दूसरे कदम उठाए जा सकते हैं। साथ ही, धर्म के आधार पर खाते बंद करने की शिकायतों को न्याय विभाग को भेजा जाएगा। छोटे व्यवसायों से जुड़े बैंकों को उन ग्राहकों को दोबारा सेवा देने की कोशिश करनी होगी, जिनके खाते गलत तरीके से बंद किए गए। व्हाइट हाउस ने कहा- राष्ट्रपति ट्रम्प चाहते हैं कि किसी को भी उनके राजनीतिक या धार्मिक विचारों की वजह से बैंकिंग सेवाओं से वंचित न किया जाए। बैंकिंग निर्णय निष्पक्ष और जोखिम के आधार पर होने चाहिए।

ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि कुछ बड़े बैंकों ने हथियार बनाने वाली कंपनियों, तेल-गैस कंपनियों, धार्मिक समूहों और क्रिप्टोकरेंसी कंपनियों के खाते उनके विचारों के कारण बंद किए।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि उनके साथ भी बैंकों ने भेदभाव किया। जेपी मॉर्गन बैंक ने उनके पुराने खातों को 20 दिन में बंद करने को कहा, और बैंक ऑफ अमेरिका ने उनके 1 बिलियन डॉलर जमा करने से मना कर दिया। हालांकि, दोनों बैंकों ने इन आरोपों को खारिज किया है। कांग्रेस में फेयर एक्सेस टू बैंकिंग एक्ट नाम का एक बिल फिर से पेश किया गया है, जो बैंकों को निष्पक्ष सेवाएं न देने पर कुछ ऋण कार्यक्रमों से रोकता है। ट्रम्प ने एक और आदेश भी जारी किया, जिससे रिटायरमेंट खातों में क्रिप्टोकरेंसी और रियल एस्टेट जैसी परिसंपत्तियों तक पहुंच आसान होगी।

बिजली के तार से टकराकर नदी पर क्रैश हुआ विमान, 2 की मौत

न्यूयार्क एजेंसी। हवाई दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब अमेरिका के मिसौरी राज्य में एक बड़ा हादसा सामने आया है जहां एक हेलीकॉप्टर मिसिसिपी नदी के ऊपर से गुजर रही पावरलाइन से टकराकर क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में हेलीकॉप्टर में सवार 2 लोगों की मौत हो गई है।

यह हादसा गुरुवार को सेंट चार्ल्स काउंटी में हुआ। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर मिसिसिपी नदी पार करते समय पावरलाइन से टकरा गया जिसके बाद वह अनियंत्रित होकर नदी पर मौजूद एक बजरे से जा भिड़ा। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि हेलीकॉप्टर में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर राख हो गया। हालांकि आग पर जल्दी काबू पा लिया गया था। मृतकों की पहचान कर ली गई है। इस हादसे की जांच एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर ह्यूजेस 369डी मॉडल का था।

दुनिया में इस साल तीसरा सबसे गर्म महीना रहा जुलाई, यूरोपीय यूनियन ने किस बात की दी चेतावनी?

लंदन, एजेंसी। जुलाई 2023 या जुलाई 2024 जितना गर्म नहीं, जो रिकॉर्ड पर सबसे गर्म और दूसरा सबसे गर्म है, कोपरनिकस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने ग्रह की औसत सतह का तापमान अभी भी 1850-1900 पूर्व-औद्योगिक अवधि से 1.25 डिग्री सेल्सियस (2.25 फ़ारेनहाइट) अधिक था।

ग्लोबल वार्मिंग पर नजर रखने वाली यूरोपीय यूनियन की एजेंसी ने गुरुवार 7 अगस्त को बताया कि इस साल जुलाई तीसरा सबसे गर्म महीना रहा है। हालांकि, दो साल पहले रिकॉर्ड हाई टेंपरेचर की तुलना में इस महीने के तापमान में थोड़ी कमी आई है। वैश्विक औसत तापमान में थोड़ी कमी होने के बावजूद, वैज्ञानिकों का मानना है कि जुलाई में भीषण गर्मी और जानलेवा बाढ़ रही है।

हम लगातार गर्म होती दुनिया के प्रभावों को देख रहे- कार्लो बुओंटेम्पो: कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के डायरेक्टर कार्लो बुओंटेम्पो ने कहा, ÷रिकॉर्ड तोड़ जुलाई के बाद वैश्विक तापमान रिकॉर्ड का हालिया सिलसिला फिलहाल खत्म हो गया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन रुक गया है। हम लगातार गर्म होती दुनिया के प्रभावों को देख रहे हैं। नए रिकॉर्ड पर पहुंच सकता है तापमान- यूरोपीय यूनियन यूरोपीय यूनियन की निगरानी

एजेंसी ने कहा कि अगर वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को सीमित नहीं किया जाता तो तापमान नए रिकॉर्ड पर पहुंच सकता है। बता दें कि 25 जुलाई को, तुर्की ने जंगल की आग से जूझते हुए अपना अब तक का सबसे अधिक तापमान 50.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था। यह जुलाई 2023 या जुलाई 2024 जितना गर्म नहीं है, जो अब तक का सबसे गर्म और दूसरा सबसे गर्म तापमान है। कोपरनिकस की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने धरती का औसत सतही तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक काल से 1.25 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जब मनुष्यों ने तेल, गैस और कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों को अंधाधुन तरीके से जलना शुरू नहीं किया था। जीवाश्म ईंधन के जलने से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण हैं। वनों की कटाई, जंगल की आग और कई तरह के कारखाने भी वायुमंडल में ऊष्मा को रोकने वाली गैसें छोड़ते हैं। वैश्विक स्तर पर, 2024 इतिहास का सबसे गर्म साल था। कोपरनिकस के अनुसार, यूरोप किसी भी अन्य महाद्वीप की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है।

अमेरिका का वेनेजुएलाई राष्ट्रपति पर 50 करोड़ डॉलर का इनाम

काराकास, एजेंसी। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो की गिरफ्तारी पर 5 करोड़ डॉलर यानी 418 करोड़ इनाम रखा है। ट्रम्प प्रशासन ने आरोप लगाया है कि मदुरो दुनिया के सबसे बड़े नार्को-तस्करों में से एक हैं। मुदरो पर आरोप है कि वे ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानिल मिला कोकीन भेज रहे हैं।

अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने गुरुवार को इनाम की घोषणा करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में मदुरो न्याय से नहीं बच पाएंगे और उन्हें अपने अपराधों के लिए जवाब देना होगा। बॉन्डी ने कहा कि न्याय विभाग ने मदुरो से जुड़े 70 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति जब्त की है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं।

मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे: मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत

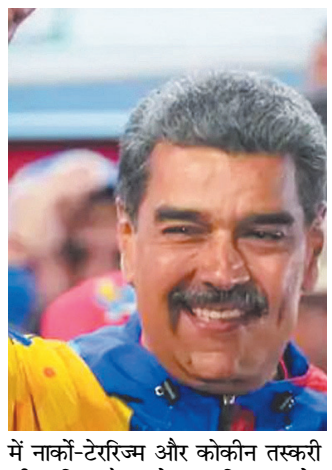

में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। यही इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था। मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर कई प्रतिबंध लगाए हैं: वेनेजुएला और अमेरिका के बीच कई दशकों से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। वेनेजुएला, अमेरिकी की पूंजीवादी और विदेश नीतियों को लेकर आलोचना करता है तो वहीं, अमेरिका, वेनेजुएला में मानवाधिकार के उल्लंघन पर नाराजगी जताता रहा है। लगभग 100 साल पहले वेनेजुएला में तेल भंडारों की खोज हुई थी। तेल की खोज होने के 20 साल बाद ही वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में से एक बन गया। उसे लैटिन अमेरिका का सऊदी अरब कहा जाने लगा।

1950 के दशक में वेनेजुएला दुनिया का चौथा सबसे धनी देश था। लेकिन आज इस देश की हालत खराब हो चुकी है। देश की 75 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। बीबीसी के मुताबिक पिछले 7 साल में करीब 75 लाख लोग देश छोड़कर चले गए हैं। दरअसल, वेनेजुएला लगभग पूरी तरह से तेल पर निर्भर था। 80 के दशक में तेल की कीमतें गिरने लगीं। कीमतों में गिरावट ने वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को भी नीचे ला दिया। सरकारी नीतियों की वजह से वेनेजुएला अपना कर्ज चुकाने में फेल होने लगा। बाद में तेल के दाम बढ़े भी तो वह इसका फायदा नहीं उठा सका। 2015 में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से वेनेजुएला की हालत और खराब हो गई है।

चीन में छोटे-छोटे मच्छरों का भयानक आतंक, निपटने के लिए उतारने पड़ गए सैनिक और ड्रोन

ताइपे, एजेंसी। ड्रैगन कहे जाने वाले पड़ोसी देश चीन में 73 साल पुराना वायरस चिकनगुनिया फिर लौट आया है और इसने अब तक करीब 8000 लोगों को शिकार बना डाला है। मच्छरों के काटने से फैलने वाले इस वायरस की रोकथाम के लिए चीनी अधिकारियों को सैनिक और ड्रोन तक उतारने पड़ गए हैं। चीनी अधिकारी मच्छर जनित वायरस से लड़ने के लिए जाल का इस्तेमाल और कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। सैनिक मास्क पहनकर कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। यहाँ तक कि छिड़काव के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने ऐसे बड़े मच्छर तैयार किए हैं, जो खतरनाक मच्छरों के लार्वा खा जाते हैं और तालाबों में मच्छर खाने वाली ऐसी हजारों मछलियां छोड़ी गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस वायरस के अधिकांश मामले हांगकांग से लगभग 170 किलोमीटर (105 मील) दूर, दक्षिणी चीनी विनिर्माण केंद्र फोशान में मिले हैं। हालांकि, अधिकारियों ने बताया है कि नए मामलों की संख्या धीरे-धीरे कम होती दिख रही है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के सीज़र लोपेज़-कैमाचो के अनुसार, यह चीन में अब तक दर्ज किया गया सबसे बड़ा चिकनगुनिया प्रकोप प्रतीत होता है। यह वायरस संक्रमित मच्छरों द्वारा फैलता है और बुखार और जोड़ों में दर्द का कारण बन सकता है।

लोपेज़-कैमाचो ने एक बयान में कहा, इस घटना को बड़ी बनाने वाली बात यह है कि चिकनगुनिया चीन की मुख्यभूमि में पहले कभी नहीं फैला था। इससे पता चलता है कि ज़्यादातर आबादी में पहले से कोई रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी, इसलिए यह वायरस तेजी से फैल गया।

चीन के सरकारी टेलीविज़न पर कर्मचारियों को शहर की सड़कों, रिहायशी इलाकों, निर्माण स्थलों और अन्य जगहों पर कीटनाशक का छिड़काव करते हुए दिखाया गया है जहाँ लोग मच्छरों के संपर्क में आ सकते हैं। कर्मचारियों ने कार्यालय भवनों में प्रवेश करने से पहले कुछ जगहों पर भी छिड़काव किया। भारी बारिश और उच्च तापमान ने चीन में इस संकट को और बढ़ा दिया है, क्योंकि इसकी वजह से मच्छरों के पनपने की अनुकूल दशा बनती है।

गाजा सिटी पर कब्जा करेगा इजराइल, 75 प्रतिशत गाजा पट्टी पर पहले से इजराइली सेना का कब्जा

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने शुक्रवार को गाजा पट्टी के उत्तरी इलाके में मौजूद गाजा सिटी पर कब्जे के लिए इजराइली सेना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। फैसले के लिए कैबिनेट ने 10 घंटे तक चर्चा की है। बैठक करीब 10 घंटे चली और उसके बाद नेतन्याहू के कार्यालय से सुबह-सुबह एक बयान जारी किया गया जिसमें कहा गया कि कैबिनेट के ज्यादातर सदस्य इस योजना के पक्ष में थे।

इस योजना का मकसद गाजा शहर में उन इलाकों में घुसना है जहां हमास के कब्जे में अभी भी कई बंधक होने की आशंका है। ये वो इलाके हैं जहां अब तक इजराइली सेना ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की है। इजराइली सेना (आईडीएफ) का कहना है कि गाजा के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा पट्टी उस 25प्रतिशत इलाके में है, जो आईडीएफ के कब्जे में नहीं हैं। इससे पहले नेतन्याहू ने पूरी गाजा पट्टी पर कब्जे की बात कही थी,

लेकिन इस बयान में केवल गाजा सिटी का जिक्र है।

कैबिनेट ने जंग खत्म करने के बदले हमास के सामने 5 प्रमुख शर्तें भी रखी हैं- बचे हुए सभी 50 बंधकों की रिहाई। (इनमें से 20 के जीवित होने की संभावना है) गाजा पर इजराइल का सुरक्षा नियंत्रण। गाजा में ऐसा वैकल्पिक नागरिक प्रशासन बनाना जो न तो हमास हो और न ही फिलिस्तीनी प्राधिकरण। नेतन्याहू बोले- गाजा को अपने पास रखने का इरादा नहीं नेतन्याहू ने गुरुवार रात कहा था कि जंग के बाद के लिए एक प्लान बनाया जाएगा। इसमें इजराइल गाजा पर नागरिक शासन नहीं करेगा और न ही फिलिस्तीनी अथॉरिटी को इसमें कोई भूमिका दी जाएगी। नेतन्याहू के मुताबिक इजराइल गाजा का सुरक्षा घेरा बनाकर रखेगा, लेकिन में प्रशासन में शामिल नहीं रहेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा, हमारा मकसद गाजा को हमास के आतंक से मुक्त करना, वहां के लोगों को आजादी देना और फिर शासन एक जिम्मेदार अरब ताकत को सौंपना है। जो हमारे लिए खतरा न बने और गाजा के लोगों को अच्छा जीवन दे। नेतन्याहू ने पूरे गाजा पर कब्जे का प्लान बनाया था। इसे बिग गाजा प्लान नाम दिया गया था। हालांकि, उनके प्लान पर सेना से सहमति नहीं बन पाई थी। इजराइली डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने योजना पर आपत्ति जताई थी। इससे इजराइली राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच टकराव की स्थिति बन गई थी। जमीर ने चेतावनी दी थी कि गाजा पर कब्जे की कोशिश से वहां बंधक 20 इजराइली नागरिकों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। नेतन्याहू के करीबी सहयोगियों बिग गाजा प्लान के खिलाफ जाने पर आर्मी चीफ जमीर का इस्तीफा मांग चुके हैं। उनके एक करीबी अधिकारी ने एक इजराइली वेबसाइट से कहा कि अब फैसला हो चुका है, हम गाजा पर पूर्ण कब्जे की ओर बढ़ रहे हैं। अगर चीफ ऑफ स्टाफ जमीर को यह मंजूर नहीं है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भावनगर से सूरत आने वाली बस में महिला पर भुवा का दुष्कर्म

पितृदोष की विधि के लिए गई विवाहित महिला से रास्ते में काले जादू के बहाने कई बार शारीरिक संबंध बनाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अडाजन की एक महिला ने बोटाद जिले के चिरोडा गांव के एक भुवा के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी भुवा ने काले जादू के बहाने भावनगर से सूरत आते समय चलती लग्जरी बस में ही उसके साथ एक से अधिक बार दुष्कर्म किया। इस घटना के बाद महिला ने अडाजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू की।

महिला द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के अनुसार, सूरत के अडाजन में रहने वाली एक विवाहित महिला पितृदोष की विधि कराने के लिए बोटाद जिले के गढड़ा तालुका के चिरोडा गांव के भुवा गंगाराम रामचरणदास लष्करी के संपर्क में आई थी। इसके बाद महिला पितृदोष की विधि के लिए सूरत से भावनगर गई, जहां उसने भुवा से मुलाकात की। विधि कराने के बाद महिला भुवा के साथ भावनगर से सूरत लौट रही थी। इस दौरान दोनों एक लग्जरी बस में यात्रा कर रहे थे। बस में ही भुवा गंगाराम ने काले जादू के बहाने महिला को वश में कर उसके साथ एक से अधिक बार दुष्कर्म किया। सूरत पहुंचते ही महिला ने तुरंत अडाजन पुलिस स्टेशन में जाकर इस मामले की शिकायत दर्ज कराई।

अडाजन पुलिस ने महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आरोपी भुवा गंगाराम रामचरणदास लष्करी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने आरोपी भुवा को पकड़कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

डुंभाल में कपड़ा दलाल को चाकू के 60 वार कर हत्या करने वाला मास्टरमाइंड पकड़ा गया

गिरफ्तारी के बाद भागने की कोशिश में टूटा पैर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लिंबायत वटीका टाउनशिप के पास मात्र 80 सेकंड में कपड़ा दलाल पर 60 चाकू के वार कर उसकी हत्या कर दी गई थी। हत्यारों ने वार करते समय मोबाइल पर वीडियो कॉल कर किसी को जानकारी देते हुए ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गए थे। फिलहाल लिंबायत पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड अबरार लस्सी को रांदेर नवयुग कॉलेज के पास से दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपी ने अन्य आरोपियों की मदद के बारे में जानकारी देने के लिए पुलिस को लिंबायत इलाके में एक घर दिखाया, तभी उसने पुलिस की गिरफ्त से भागने की कोशिश की। इस दौरान भागते समय अबरार लस्सी के पैर में फ्रैक्चर हो गया।

लिंबायत पुलिस ने मास्टरमाइंड अबरार उर्फ अबरार लस्सी उर्फ मानसिक मोहम्मद इब्राहिम शेख (25) निवासी ख्वाजा नगर, मंदरवाजा, खामगांव, बुलढाणा, महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया है। हत्या के पुनर्निर्माण (री-कंस्ट्रक्शन) के दौरान आरोपी रोते हुए और हाथ जोड़कर अपनी गलती स्वीकार करता दिखाई दिया।

इस मामले में अभी 3 हत्यारों को पकड़ा जाना बाकी है। अब तक 3 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अबरार ने कपड़ा दलाल आलोक की उंगली काट दी थी, क्योंकि मृतक ने उसे तमाचा मारा था। हत्या के पीछे का मुख्य कारण आलोक अग्रवाल और अबरार के बीच हुई कहासुनी थी। आलोक ने अबरार को थप्पड़ मारा था, जिसका बदला लेने के लिए अबरार और उसके 2 साथियों ने कपड़ा दलाल की हत्या कर दी थी।

रक्षाबंधन पर ब्रेन डेड मरीज के अंगों से 6 लोगों को नया जीवन

डायमंड फैक्ट्री में काम करने वाले प्रवीणभाई के परिवार ने उनके अंगदान से 6 को जीवनदान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रक्षाबंधन के पवित्र पर्व की पूर्व संध्या पर सूरत की स्मीमेर अस्पताल में ब्रेन डेड घोषित हुए प्रवीणभाई हरिभाई नाकराणी (आयु 52) के परिवार ने उनके अंगदान कर 6 लोगों को नई जिंदगी दी।

सरथाणा के वी.टी. नगर निवासी और डायमंड फैक्ट्री में कार्यरत प्रवीणभाई 4 अगस्त 2025 की रात करीब 9 बजे घर लौट रहे थे, जब अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें 108 एंबुलेंस से तुरंत स्मीमेर अस्पताल लाया गया। ष्टञ्ज स्कैन में ब्रेन हेमरेज का पता चला। 7 अगस्त 2025 को अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. जीतेंद्र दर्शन, सर्जरी विभाग की प्रमुख डॉ. अर्चना नेमा, न्यूरोसर्जन डॉ. दीपेश कक्कड़ और ऋख्ह डॉ. आनंद पटेल ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया। डॉ. अर्चना नेमा ने इसकी सूचना 'डोनेट लाइफ' संस्था के संस्थापक निलेश मांडलेवाला को दी।

संस्था की टीम तुरंत अस्पताल पहुंची और परिवार को अंगदान का महत्व और प्रक्रिया समझाई। प्रवीणभाई के बड़े भाई शंभुभाई, काका राजेशभाई और जयेशभाई, भतीजे धर्मेशभाई और मित्र मेहुलभाई व किशोरभाई ने सहमति दी। भतीजे धर्मेशभाई ने भावुक होकर कहा, च्च्हम साधारण परिवार के हैं और जीवन में कोई बड़ी वस्तु दान नहीं कर सकते। आज मेरे काका ब्रेन डेड हैं, तो उनके अंगों का दान कर जरूरतमंदों को जीवन दें।ज्ज

परिवार की सहमति के बाद 'स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन' (स्हञ्जञ्जह्व) से संपर्क किया गया और अंगों का वितरण इस प्रकार हुआ—

अहमदाबाद की यू.एन. मेहता अस्पताल में 57 वर्षीय व्यक्ति को हृदय प्रत्यारोपण (यह 'डोनेट लाइफ' द्वारा हृदय दान की 57वीं घटना है)।

सूरत की किरण अस्पताल में मुंबई के 38 वर्षीय व्यक्ति को प्रत्यारोपण।

अहमदाबाद में 2 मरीजों को अंग प्रत्यारोपण।

2 मरीजों को नई दृष्टि प्रदान की गई।

हृदय को समय पर अहमदाबाद पहुंचाने के लिए सूरत पुलिस ने स्मीमेर अस्पताल से सूरत एयरपोर्ट तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया। उल्लेखनीय है कि सूरत पुलिस अब तक 135 ग्रीन कॉरिडोर बना चुकी है।

संस्था अब तक 1,336 अंग और टिश्यू का दान करवा चुकी है, जिससे 1,232 से अधिक लोगों को जीवन या दृष्टि मिली है। इसमें 542 किडनी, 235 लिवर, 57 हृदय, 52 फेफड़े, 9 पैंक्रियास, 8 हाथ, 1 छोटी आंत और 432 आंखें शामिल हैं। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के रूप में प्रसिद्ध सूरत अब 'ऑर्गन डोनर सिटी' के रूप में भी पहचान बना रहा है।

तीन लोगों के बीच झगड़ा देखना पड़ा भारी!

"तू यहां क्यों खड़ा है?" कहकर लकड़ी से पीटा और रॉड से किया जानलेवा हमला,2 पुराने अपराधी निकले

उधना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना इलाके में 5 अगस्त 2025 की रात एक चौंकाने वाली घटना हुई। अपने काम से घर जा रहे एक व्यक्ति को सिर्फ तीन अनजान लोगों के बीच हो रही बहस देखना महंगा पड़ गया। आरोपियों ने "तू यहां क्यों खड़ा है?" कहकर उसे लकड़ी के डंडे और लोहे की रॉड से गंभीर चोट पहुंचाई। हालांकि, इस घटना में उधना पुलिस ने तीनों आरोपियों को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

तीनों आरोपियों ने मिलकर पीटा 5 अगस्त की रात करीब 11:15 बजे शिकायतकर्ता अपने काम से लौट रहे थे। सोनल इंडस्ट्रीज एसएमसी गार्डन के पास पहुंचते ही उन्होंने देखा कि कुछ लोग आपस में झगड़ रहे थे। एक आम व्यक्ति की तरह ही वे थोड़ी देर वहां खड़े होकर देखने लगे कि क्या हो रहा है। इसी दौरान आरोपी राजाबिहारी उनके पास आया और गुस्से में पूछा - "तू यहां क्यों खड़ा है?" इतना कहते ही बहस शुरू हो गई। इसके बाद स्थिति बिगड़ गई और आरोपी हितेश उर्फ बरमुंडा ने लकड़ी से शिकायतकर्ता को पीटना शुरू कर दिया। आरोपी आशीष फुलारा और जीतू गौस्वामी भी इसमें शामिल हो गए और शिकायतकर्ता को धक्का-मुक्की करने लगे।

हमले के बाद जान से मारने की धमकी

यहीं नहीं रुके, मुख्य आरोपी राजाबिहारी एक लोहे की रॉड लेकर आया और शिकायतकर्ता को उससे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस खतरनाक हमले के बाद, तीनों आरोपियों ने शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी दी और वहां से भाग गए। गंभीर रूप से घायल शिकायतकर्ता ने तुरंत उधना पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने टीम बनाकर तीनों को पकड़ा शिकायत मिलते ही उधना पुलिस तुरंत हरकत में आई और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई। आखिरकार तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के नाम हैं -

1-महेश उर्फ राजाबिहारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता (उम्र 30, मजदूरी का काम, निवासी दतकुटीर, 60 फीट रोड, बीआरसी, उधना, सूरत, मूल निवासी बनदपूर्वा, मलीशहर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश)

2-आशीष चंद्रशेखर फुलारा (उम्र 25, मजदूरी का काम, निवासी जय अम्बेनगर, मिलन पॉइंट के पास, पांडेसरा, सूरत, मूल निवासी हल्दवानी, शांति पुरी, देहरादून, उत्तराखंड)

3-जीतू कीपाशंकर गौस्वामी (उम्र 32, कंस्ट्रक्शन का काम, निवासी विनायक नगर, महादेव नगर के पास, पांडेसरा, सूरत, मूल निवासी बखरा, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश)।

दो आरोपियों का आपराधिक इतिहास

गिरफ्तारी के बाद पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। मुख्य आरोपी महेश उर्फ राजाबिहारी के खिलाफ 10 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें कडोदरा जीआईडीसी में हत्या, डकैती और उधना पुलिस स्टेशन में मारपीट के कई केस शामिल हैं। उस पर पासा के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है। आरोपी आशीष चंद्रशेखर फुलारा का भी आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ उधना पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट, नोटिस उल्लंघन और मारपीट के 4 मामले दर्ज हैं। ये सभी आरोपी पहले से ही आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं।

जेलों में रक्षाबंधन पर भावुक दृश्य

कैदी भाइयों को राखी बांधते समय बहनें फूट-फूटकर रोईं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सहित कई जेलों में सज़ा काट रहे भाइयों को उनकी बहनों द्वारा राखी बांधने का अवसर देने के लिए जेल प्रशासन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। लंबे समय बाद जेल में भाई-बहन मिलने पर भावुक दृश्य देखने को मिले। राखी बांधते समय भाई-बहन रो पड़े और एक-दूसरे से गले लग गए। आंखों में खुशी और आंसू दोनों झलक रहे थे। जेल की सख्त दीवारों के अंदर भी, इस पवित्र त्योहार ने भावनाओं और प्रेम का वातावरण बना दिया।

रक्षाबंधन के इस पावन पर्व ने क़ैदियों और उनके परिवारों के रिश्तों को फिर से ताज़ा कर दिया। इस मौके पर, बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके लंबे जीवन और सुख-समृद्धि की कामना की। बदले में, भाइयों ने भी बहनों को जीवनभर सुरक्षा देने की प्रतिज्ञा की।

कुछ बहनों ने तो भगवान और सरकार से प्रार्थना की कि उनके भाई जल्द जेल से रिहा होकर घर लौट आएं। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार के रूप में तुलसी का पौधा दिया। सूरत की लाजपुर जेल में भी हर साल की तरह इस बार रक्षाबंधन का त्योहार भावनात्मक माहौल में मनाया गया। कई साल बाद भाइयों से मिलकर बहनों की इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क़ैदियों को समाज और परिवार से फिर से जोड़ने का अवसर देना था, ताकि वे त्योहारों की खुशियां महसूस कर सकें। लाजपुर जेल प्रशासन की इस पहल से क़ैदियों में सकारात्मकता और सुधार की भावना को प्रोत्साहन मिला है। यह इस बात का उदाहरण है कि मानवीय भावनाओं को कैद नहीं किया जा सकता।

उमरवाड़ा की जमीन पर कब्जा कर 10 करोड़ की मांग झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

"अगर तुम प्रॉपर्टी पर आए तो लोगों की भीड़ इकट्ठी कर जान से मार देंगे" — ऐसी धमकी देकर 10 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। पैसे न देने पर धार्मिक स्थल के नाम पर झूठे केस में फंसाने की भी चेतावनी दी गई थी।

पहले, सितंबर 2023 में बिल्डर ने इन दोनों के मानसिक उत्पीड़न के कारण ज़्यादा मात्रा में गोलियां खा ली थीं। बिल्डर की जमीन पर गैरकानूनी कब्जा कर पार्किंग बनाई गई और दुकानें किराए पर देकर वसूली की जा रही थी। इस संबंध में बिल्डर नरेश अग्रवाल के बेटे हेमंत अग्रवाल ने पुना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने छगन दौलतराम मेवाड़ा (निवासी धर्मेंद्र कॉम्प्लेक्स, पुना कुम्भारिया रोड) और मोहम्मद सफी हुसैन कापड़िया (निवासी रहज़ारावाड़ टेकरी, बेगमपुरा) के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। उमरवाड़ा की जमीन बिल्डर, उसके बेटे और साझेदारों की मिल्कियत है। सुप्रीम कोर्ट में केस हारने के बावजूद आरोपियों ने जमीन पर गैरकानूनी कब्जा कर लिया था।

एफटीसी एकल महिला समिति द्वारा रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एफटीसी एकल महिला समिति द्वारा रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन शुक्रवार को जीआरसी सोनगढ़ में किया गया। सोनगढ़ में जीआरसी प्रभारी अनिल कुमार, प्रबंधक सुनील शर्मा एवं गुजरात संभाग प्रमुख नैतिक दुबे द्वारा सभी का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। आयोजन की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं हनुमान चालीसा पाठ से हुई। आयोजन में बहनों ने एकल स्वयंसेवकों को राखी बाँधकर प्रत्येक स्वयंसेवक को मिठाई का डिब्बा और एक स्टील का बर्तन भेंट किया।

सूरत महिला समिति द्वारा सोनगढ़ एवं उकाई में दर्शना मोदी के नेतृत्व में महिला समिति का गठन किया गया। आयोजन में आगामी पर्व स्वतंत्रता दिवस के लिए सभी कार्यकर्ताओं को तिरंगा भेंट किया गया। आयोजन के पश्चात सभी ने गायों को चारा एवं गुड़ खिलाया एवं वृक्षारोपण किया।

इस मौके पर एफटीसी एकल महिला समिति की सलाहकार विजया कोकड़ा, अध्यक्ष ऋतु गोयल, सचिव ज्योति पंसारी, कोषाध्यक्ष डिंपल फतेहपुरिया, पदमा तुलस्यान, मुक्ता कानोडिया, सीमा अग्रवाल, गीता अग्रवाल, कल्पना फ्रूटवाला सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

सिविल की नर्स बहनों ने रक्षाबंधन का उत्सव मनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सिविल अस्पताल में पिछले तीन दशकों से नर्स बहनों द्वारा रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर नर्स बहनों ने मरीजों की बहन की भूमिका निभाते हुए उन्हें रक्षा सूत्र बांधकर उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

नई सिविल अस्पताल में रक्षाबंधन पर नर्स बहनों ने मरीजों, चिकित्सकों, सिविल के सुरक्षा कर्मियों, रेजिडेंट डॉक्टरों, सफाई कर्मचारियों और सहकर्मचारियों को राखी बांधकर उत्साहपूर्वक पर्व मनाया। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी नई सिविल की नर्स बहनों ने अस्पताल के विभिन्न विभागों के प्रमुखों, मेडिकल अधिकारियों, 108 के कर्मचारियों तथा अलग-अलग वार्ड में भर्ती मरीजों और बिस्तर पर पड़े रोगियों को भी राखी बांधी।